III. A copy (in English and Hindi) of the Ministry of Finance (Department of Revenue), Notification G.S.R. No. 562(E), dated the 8th June, 1990, amending Notification No. 204/84-Customs, dated the 20th July, 1984, under section 159 of the Customs Act, 1962, together with an explanatory memorandum on the Notification. [Placed in Library. *See* No. LT. 1537/90]

IV. A copy (in English and Hindi) of the following Notification of the Ministry of Finance (Department of Revenue), under section 49 of the Finance Act, 1989, together with explanatory memoranda on the Notifications:—

(i) G.S.R. No. 547(E), dated the 5th June, 1990, appointing the 1st day of July, 1990, as the date on which provision of chapter V of the said Act shall come into force.

(ii) G.S.R. No. 548(E), dated the 5th June, 1990, exempting passengers travelling on US Dollar fare tickets from payment of Inland Air Travel Tax with effect from the 1st July, 1990.

[Placed in Library. *See* No. LT-1537/90 for (i) and (ii)]

V. A copy (in English and Hindi) of the Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification S.O. No. 201(E), dated the 8th March, 1990, publishing Corrigendum to Notification S.O. No. 70(E), dated the 22nd January 1990 [Placed in Library. See No. LT-1548/90].

VI. A copy (in English and Hindi) of the following papers:—

(i) Notification CO/PRS/Legal/89/1360, dated the 30th September, 1989, publishing Corrigendum to Notification CO/PRS/Legal/89/136 dated the 18th February, 1989.

(ii) Statement giving reasons for the delay in laying the Notification mentioned at (i) above.

[Placed in Library. *See* No. LT-1543/90 for (i) and (ii)]

REPORT OF STUDY TOUR OF THE COMMITTEE ON THE WELFARE OF SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM (Uttar Pradesh): Madam, I lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Report on Study Tour of Study Group I of the Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes on its visit to Bhubaneswar, Koraput, Visakhapatnam and Hyderabad during June, 1990.

RE: COMMUNAL TENSION IN DIFFERENT PARTS OF THE COUNTRY

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): Madam, there is a set national pattern of communal riots in the country. What has happened in Gonda is something very serious. This House must take this up on a procedence basis.

SHRI P. SHIV SHANKER (Gujarat): Madam, you may kindly permit Mr. Ram Naresh Yadav to just make a mention.

THE DEPUTY CHAIRMAN: A special mention was listed in his name yesterday which could not be taken up.

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) महोदया, मामला सीरियस है इतना गम्भीर है कि पूरे देश के लिए चिंता का विषय बन गया है। इसलिए मेरा निवेदन है कि स्पेशल मेंशन से मामला हल होने वाला नहीं है। गोंडा उत्तर प्रदेश में एक ऐसा जिला है जो आज साम्प्रदायिकता की लपेट में जल रहा है। ऐसी स्थिति पैदा हो गयी है कि सचमुच में 40 गांव में यह आग फैल चुकी है। करीब 300 लोग बुरी तरह से मार दिये गये हैं। वहां की आग दूसरी जगहों पर भी फैलती जा रही है।

मैं समझता हूं आजादी के बाद जिस तरह की शर्मनाक और कलंकित घटना गोंडा में हुई है वैसी कभी नहीं हुई। जनता दल और बी०जे०पी० के लोगों ने जो भाषण दिये उन भाषणों ने पूरे प्रदेश को साम्प्रदायिकत की आग में झोंकने का काम किया है वह

[श्री राम नरेश यादव]

बहुत निन्दनीय है। यह कहीं इतिहास में नहीं मिलेगा जैसा कि गोंडा में हुआ है और करनालगंज के पास जो गोंडा से लगभग 25 कि०मी० दूर है । उसके अगल-बगल में एक ऐसा गांव है जहां लोग जला दिये गये हैं गांव से बच्चों को और औरतों को निकाल कर जला दिया गया है । इससे शर्मनाक घटना कोई नहीं हो सकती । हाशिमपुरा और मलियाना की घटनाएं तो याद आती हैं लेकिन उन सब घटनाओं को इस घटना ने पीछे छोड़ दिया है । आजादी के बाद कहीं भी इस तरह की घटना नहीं हुई थी जिस तरह की गोंडा के आसपास हुई है । मैं कहना चाहता हूं कि यह जो बी०जे०पी० के लोग, बजरंग दल के लोग और आर०एस०एस० के लोगों ने मिलकर रथ यात्रा का काम पिछले दिनों किया है इसलिए कि राम मन्दिर को बना कर रहेंगे और बाबरी मस्जिद को गिराकर मन्दिर का निर्माण करेंगे इस आधार पर जो रैलियां निकाली गयीं पूरे देश में एक भय एवं आतंक का वातावरण बनाने का काम किया है, यह भी इसका एक जबर्दस्त कारण है।

दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि यहीं पर मामले का अंत नहीं हो जाता है । एक तरफ तो यह चीज होती है और दूसरी तरफ बजरंग दल के लोगों ने यहां तक कहा है कि आप हथियार लेकर चलिये और राम मन्दिर का निर्माण कराइये । उत्तेजक स्पीचेज हो रही हैं । भारतीय जनता पार्टी की रथ यात्रा के दौरान इस प्रकार की स्पीचेज हो रही हैं जिससे तनाव फैल रहा है... **(व्यवधान)** ।

श्री अश्विनी कुमार (बिहार) : इस प्रकार से गलतबयानी मत कीजिये... **(व्यवधान)** ।

श्री राम नरेश यादव : दीवारों पर शर्मनाक नारे लिखे गये हैं । जो लोग राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की बात करते हैं देश को अक्षुण्ण रखने की बात करते हैं ऐसे अवसरों पर दीवारों पर इस प्रकार के नारे लिखे जाते हैं कि हिन्दी हिन्दू हिन्दुस्तान कटवा जायें पाकिस्तान । इस प्रकार से राष्ट्रीय एकता को खंडित करने का प्रयास किया जा रहा है, इस तरह की साजिश हो रही है । एक तरफ तो यह स्थिति है और दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री घूम कर रैलियां कर रहे हैं । उन्हें एवं लोगों को मालूम है कि प्रदेश के कई जिले संवेदनशील हैं जिसमें गोंडा जनपद भी है । ऐसे मौके पर जब रथ यात्रा से तनाव फैल रहा है और जब उत्तेजक भाषण दिये जा रहे हैं, दीवारों पर इस तरह के नारे लिखे जा रहे हैं मुख्य मंत्री का दायित्व है, प्रदेश सरकार का दायित्व है, कि बैठकर समस्या का समाधान करे । उनको इन सब बातों को देखना चाहिए लेकिन उन्हें रैलियों से फुरसत नहीं है । मैं भी सरकार में रहा हूं। लेकिन मुख्य मंत्री घूम रहे हैं बम्बई, जयपुर और मद्रास में... **(व्यवधान)** ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : कल ही मुख्य मंत्री बनारस में थे । बनारस से गोंडा सौ किलोमीटर की दूरी पर है । वे गोंडा भी गये हैं ... **(व्यवधान)**

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रशीद मसूद) : पहली दफा आजाद हिन्दुस्तान में प्रोम्प्ट एक्शन हुआ है... **(व्यवधान)** ।

उपसभापति : आप बैठ जाइये। हाउस के अन्दर एक गम्भीर मसले पर डिसकशन हो रहा है । आप रायट्स की बात कर रहे हैं लेकिन यहां दंगा मत कराइये । जिसको बोलना है वे बोलें । एक दूसरे पर इस तरह से गुस्सा करने से कोई बात सुनाई नहीं देती है । आसानी के साथ बोलें ताकि कोई निर्णय निकल सके । एक दूसरे के पीछे जाएंगे तो हाउस में ऐसा लगता है कि दंगा हो रहा है । I request everybody, please be patient. Don't do it. No interruption.

श्री राम नरेश यादव : मैं इस बात को मान कर चलता हूं कि यह राष्ट्रीय महत्व का प्रश्न है । दलगत भावना से ऊपर उठकर इस के बारे में सोचना और विचार करना चाहिए और विचारना ही नहीं चाहिए, ऐसे कदम उठाने चाहिए जिससे प्रदेश और देश की जनता इस बात से आश्वस्त हो सके कि आने वाले दिनों में ऐसी कोई घटना घटित नहीं होगी । यह जो घटना घटी है यह बड़ी शर्मनाक घटना है । लोगों को जिन्दा जला दिया गया है । इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि प्रदेश का प्रशासन क्या कर रहा है? प्रदेश की मशीनरी क्या कर रही थी? क्यों नहीं प्रिकोशनरी मेजर्स पहले से ही लिये गये? जब तनाव पहले से था और उस तनाव को दूर करने के लिए प्रिकोशनरी मेजर्स लिये जाने चाहिए थे । अधिसूचना विभाग क्या कर रहा था? प्रदेश सरकार क्या कर रहा था? ऐसी स्थिति में प्रदेश सरकार भी जिम्मेदार है । एवं बिलकुल फेल हुई है । इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री के रहते हुए इस तरह की घटना हो रही है वह भी जिम्मेदार है । तीन सौ लोग मारे गये हैं, कई लोगों को जिन्दा जला दिया गया है । इसमें प्रधान मंत्री का नैतिक दायित्व है । नैतिक दायित्व के लिए सरकार इस्तीफा दे, प्रधान मंत्री पद से इस्तीफा दें । मैं यह भी कहना चाहता हूं कि प्रदेश सरकार को बर्खास्त किया जाय । ऐसे महत्वपूर्ण मसले पर तुरन्त कदम उठाये जाने चाहिएं ताकि साम्प्रदायिकता फैलने न पाये ।

उपसभापति : आप कुछ बोलना चाह रहे थे मंत्री जी... **(व्यवधान)** ... I request all of you to go back to your seats. (*Interruption*) He does not need anybody's support. He is under protection. I can handle him. I will allow him to speak. I am not saying 'no'. (*Interruptions*) आप अपनी जगह से कहिये । ... **(व्यवधान)** ... आप बैठ जाइये... **(व्यवधान)** ... आप अपनी जगह पर जाइये, यहां बैठकर न बोलें । आप अपनी सीट से बोलिये या आगे की सीट से बोलिये । आप अपनी जगह पर जा कर बोलिये । ... **(व्यवधान)** ... आप वहां जाकर बोलिये । मैं आपको बोलने दूंगी । ... **(व्यवधान)** ... जस्ट ए मिनिट, आप लोग मेहरबानी करके अपनी जगह पर बैठिए । प्लीज अपनी जगह पर जाइये । आप जाइये । आई विल अलाऊ हिम टू स्पीक । आई एम नाट सेइंग नो । मैं उन्हें मना नहीं कर रही हूं । मगर वे अपनी जगह जाकर बोलें, सामने जाकर बोलें । वे यहां से चले जायें । उन्हें अपनी जगह से बोलना चाहिये । ... **(व्यवधान)** ... ऐसे नारे वगैरह लगाना बाद में करिये । उन्हें बोलने दीजिए आप अपनी जगह पर जाइये । मैं मना नहीं कर रही हूं बोलने के लिये । आप अपनी जगह पर जाइये ।

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: This is a direct consequence of the weak handling of the situation by a puppet Government.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Subramanian Swamy, please sit down. (*Interruptions*) Dr. Reddy, please sit down. I request everybody, let us restore order in the House. I request everybody to have patience. (*Interruptions*) हम लोग एक कर रहे गंभीर मसले पर बात हैं । हमारे माननीय सदस्य जो गोंडा से आते हैं वे एजीटेटेड हो गये हैं, हार्ट पेशेंट है He is a heart patient. I would like him to cool down. If he wants to speak, he will be given an opportunity to speak at any time he wants. I would humbly request Members to please have patience. You will have your say. It is a serious matter concerning the lives of the people. Let us not create a rowdy scene here. This is my humble request to everyone. I said I will allow him if he wants to speak. आप बोलना चाह रहे हैं तो आप बोलिए Otherwise, I will ask Mr. Rasheed Masood. (*Interruption*) Please leave it to me. I am allowing everyone. But I will not permit any unruly behaviour in the House. I will allow everybody, whoever wants to speak in an orderly manner.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : मैडम, प्वाइंट आफ आर्डर। आपने मंत्री महोदय का नाम बोला है, रशीद मसूद साहब का बोलने के लिये. . .

उपसभापति: उन्होंने हाथ उठाया था, खड़े हो गये थे. . . (व्यवधान) . . . माथुर साहब बोलिये। . . . (व्यवधान) आप बैठ जाइये। इतने उतावले क्यों हो रहे हैं। जरा सकून से बैठिये। उन्हें बोलने दीजिये। उनका प्वाइंट आफ आर्डर है।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: मेरा प्वाइंट आफ आर्डर यह है कि रशीद मसूद साहब बोल रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि वे सरकार की तरफ से बयान दे रहे हैं या क्या कर रहे हैं ? अगर सरकार की तरफ से बयान दे रहे हैं तो वह पूरी बात आनी चाहिये। अधूरी बात कह कर छोड़ देना, ऐसा डिबेट में कंवेंशन नहीं है। अगर वे पूरा बयान दे रहे हैं तो मुझे स्वीकार है।

SHRI DIPEN GHOSH: Madam, I should also be allowed to speak.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : जब वे पहले बोल रहे हैं तो सरकार बयान दे। सरकार को बयान देना चाहिए।

उपसभापति : माथुर साहब, यह प्वाइंट आफ आर्डर नहीं है, प्वाइंट आफ इन्फर्मेशन है। माथुर साहब आप कैफियत मांग रहे हैं। मैंने पहले भी कहा कि मैं बोलने का मौका दूंगी। आपने भी हाथ उठाया है, अश्विनी कुमार जी ने भी हाथ उठाया है। जो भी इस मसले पर बोलना चाहेंगे, मैं उनको इजाजत दूंगी लेकिन कृपया शांति से बैठिये। एक वक्त में एक आदमी को ही बुलाया जा सकता है, दसों को बोलने के लिये नहीं बुलाया जा सकता है।

श्री मोहम्मद [illegible] उर्फ मीम अफजल : मेरी दर्खास्त यह है कि आप एक बार इधर भी देख लें। आप सिर्फ उधर देखती रहती हैं।

شری محمد افضل عرف م - افضل: میری درخواست ہے کہ آپ ایک بار ادھر بھی دیکھ لیں - آپ صرف ادھر دیکھتی رہتی ہیں -]

†[]Transliteration in Arabic Script.

उपसभापति : नहीं, आपकी तरफ भी देख रही हूं। इधर से ज्यादा हाथ उठ रहे हैं, इसलिए ज्यादा नजर जा रही है। आपकी तरफ से ज्यादा हाथ उठेंगे, मैं आपकी तरफ भी देखूंगी।

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): Quietly I have raised my hand...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have seen; I have seen all the hands...*(Interruptions)*... I have seen all of them... *(Interruptions)*... I have seen all the hands... *(Interruptions)*... Yes, Mr. Dipen Ghosh.

SHRI DIPEN GHOSH (West Bengal): Madam, I completely agree with you that the matter which has been raised by my elderly colleague, Shri Ram Naresh Yadav, is a very serious one and we must ponder over the issue in a peaceful way and find out a method of coming out of this situation.

Madam, what has happened in Gonda is reprehensible. There have been riots and, recently, only two days ago, there was a riot in Udaipur also. In Udaipur, when a procession was led by a section of a community, it was attacked by another section and that led to a riot. Earlier also, Madam, there have been riots. It may be that Gonda, where this riot has started, is a place where there was no riot previously. But in our country there were riots in many places, whether during this regime or during the previous regime. But, today, as the situation obtains, it is a very serious thing and communal harmony is going to be the first victim. When the controversy has already been raging over the Ram Janmabhoomi-Babri Masjid issue, instead of exercising restraint and waiting for the Court judgment, performing a Rath-Yatra by the senior leaders of a political party .. *(Interruptions)*... and participating also in the democratic process in the country and creating a sort of religious hysteria is not good...*(Interruptions)*...

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : ऐसा नहीं है। . . . (व्यवधान)

उपसभापति : उनको बोल लेने दीजिए। आप भी बोलना चाहेंगे, मैं आपको अलाऊ कर दूंगी। मैं मना नहीं कर रही हूं। पर वह अपनी बात तो कह दें, जो उनके मन में है। आपके मन में जो है, आप अपने दृष्टिकोण से बोलिएगा।

SHRI DIPEN GHOSH: Your perception may be different from mine.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: But ultimately they are together!

SHRI DIPEN GHOSH: Whether they are ultimately together or not, history will judge. History will judge it. But the question today is that the commencement of the Rath Yatra by the senior leaders of the Bharatiya Janata Party has created a situation of communal tension among the various communities in the country and is vitiating the communal harmony in our country. But what we have seen is that whenever there is any riot, not only in Gonda or Udaipur, but also in other places, the administration also gets divided on communal lines. Wherever the administration is led and dominated by a particular religious community, it is seen that the other religious community, the people belonging to the other religious community suffer. This is the misfortune of our country. Today, it is not an isolated matter. The anti-reservation rally and the communal rally go together. People are supporting both the anti-reservation rally and communal rally because the Hindu bias and high caste bias are two sides of the same coin. And that pervades our administration. So we, the politicians belonging to various political parties, must ponder over this situation. Here we must exercise restraint in the House. What is the use of fighting with each other? If we fight each other in the House, what shall we do in the streets of our country? So my point is that there must be an inquiry into the causes that led to the riot in Gonda, Udaipur and certain other places. On behalf of the administration and those State Governments, the Central Government, the Home Ministry must come out with a statement. I do not mind if Mr. Masood intervenes in the discussion. But we must know what exactly the situation is there. Government must come out with a statement. It is not that one Minister will intervene. That is why I wanted the Minister to intervene later.

So my first point is that the Government must tell us what exactly happened, what are the reasons that led to the riot in Gonda, that led to the riot in Udaipur and certain other places? And we must demand of the Government through the Centre. The concerned State Government, concerned District Administration should take immediate action, firm action, against those, belonging to whatever party whatever Dal, book them, take them to task. And the Administration must be secular. The Administration must be firm in dealing with the riotous elements. And that is the biggest casualty in our country—the Administration. (*Time Bell rings*) It gets divided on communal lines also. We have seen it earlier. So I do not want to trade charge against this or that. We have seen it. Somebody has demanded resignation of Mr. V. P. Singh. I do not know if resignation of Mr. V. P. Singh will help bringing communal harmony in our country because we have seen Mr. Rajiv Gandhi having declared that if they come back to power they would establish 'Ram Rajya' here. And we have seen how 'Ramjanmabhoomi' ...(*Interruptions*) We have seen how Mr. Buta Singh...(*Interruptions*) We have seen the Congress(I) Ministers on the occasion of certain Hindu festivals...(*Interruptions*) On the eve of election even the Prime Minister goes to Baba Deoras...(*Interruptions*) On the eve of election even the Prime Minister declares that they would establish 'Ram Rajya'...(*Interruptions*)

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : वी० पी० सिंह के नेतृत्व में देश जल रहा है।...(**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I won't permit anybody to interrupt.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : भारतीय जनता पार्टी के साथ बैठ करके...(**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Pandeji, please.

कृपया बैठ जाइये।

[The Deputy Chairman]

I won't permit anybody to interrupt... (व्यवधान) अगर आप यह करेंगे तो फिर आपको भी इंटरप्ट करेंगे। आप बोलने दीजिए, आपका मौका आएगा तो आप बोल लीजियेगा।

SHRI DIPEN GHOSH: The Congress people must know that they are also living in a glass house. During the last 39 years of Congress(I) rule... (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: How can he speak what you like? He has a right to speak in this House what he wants. (*Interruptions*)

SHRI DIPEN GHOSH: What was their performance? I would appeal to the Government to come out with a statement, and I would appeal on behalf of all parties that we should pass a Resolution and we should ask the Bharatiya Janata Party, Mr. L. K. Advani, to desist from the 'Rath-yatra' to help restoring communal peace in the country.

उपसभापति : श्री पी० शिव शंकर ।

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : उपसभापति महोदया, मुझे...

उपसभापति : शिव शंकर जी को तो जरा बोलने दीजिए।... (व्यवधान)

श्री चतुरानन मिश्र : उनको चाहिए कि वह हम ही लोगों को पहले बोलने दें ।

उपसभापति : मेरी तरफ से तो आप भी बोल रहे हैं और वह भी बोल रहे हैं। लेकिन आप तय कर लीजिए कि पहले आप बोलेंगे या पहले वे बोलेंगे ।

श्री पी० शिव शंकर : उनको बोलने दीजिए, आप बुजुर्ग हैं इसलिए पहले आप बोलिए ।

उपसभापति : चलिए, पहले आप बोलिये ।

श्री चतुरानन मिश्र : उपसभापति महोदया, देश में एक अत्यंत ही गंभीर स्थिति हो गई है और माननीय सदस्य श्री यादव जी ने इस सदन को यह उठाकर बहुत ही महत्वपूर्ण काम किया है । सारे देश में साम्प्रदायिक उन्माद बहुत तेजी के साथ बढ़ रहा है और हम नहीं समझते हैं कि हम लोग केपेबल हैं कि हम रोक सकें, अगर इस तरह की आग लगाई जाए क्योंकि राष्ट्र को इसका अनुभव है, गांधी जी नहीं रोक सके, नेहरू जी नहीं रोक सके देश के पार्टिशन को। फिर हम तो बहुत छोटे जीव हैं, जो इसको रोक सकें । बी जे०पी० के मित्रों से हमें यही कहना है कि रथ यात्रा करना हो तो कोई भी कर सकता है, लेकिन दंगा रथ पर चढ़कर घूमना क्योंकि यह तो दंगा रथ है, सारे देश के अंदर उन्माद को बढ़ावा है । यह आजादी है कि वे जो चाहें अपने बारे में, कर सकते हैं... (व्यवधान)...

श्री कृष्ण लाल शर्मा (हिमाचल प्रदेश) : मिश्र जी, आप एक वाक्य हमें बताइये, जो रथ यात्रा में आडवाणी जी ने... (व्यवधान)...

श्री चतुरानन मिश्र : हम यही बात आपको बता देते हैं कि वह जा रहे हैं एक मस्जिद को तोड़-फोड़ कर... (व्यवधान) कोई जा रहा है किसी मस्जिद को तोड़ने के लिए... (व्यवधान) ..

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: मस्जिद को तोड़ने की बात कभी नहीं कही है । मैंने अयोध्या में स्थित जो ढांचा है, उसको तोड़ने की बात भी नहीं कही है ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ सीम अफजल: यह सदन को गुमराह कर रहे हैं।

उपसभापति : माथुर साहब, मैं आपको भी अलाऊ कर रही हूं ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मस्जिद को तोड़ने की बात भारतीय जनता पार्टी ने कभी नहीं कही है ।

श्री चतुरानन मिश्र : अगर आपने यह बात नहीं कही है तो उपसभापति महोदया, मैं एक प्रस्ताव पेश करता हूं इस माननीय सदन में, कि पूरा सदन इस पर एकमत होकर के यह राय करे कि बाबरी मस्जिद जहां पर है, वह

रहेगी और उस तोड़ने का जो प्रयास करता है ... (व्यवधान) ... हमारा यही मोशन है, हम भाषण नहीं करेंगे, हम यही प्रस्ताव करते हैं और सरकार से भी अनुरोध करने के साथ सबसे अनुरोध करेंगे कि सब मिलकर तय करें। ... (व्यवधान) ...

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: I fully second this motion.

श्री चतुरानन मिश्र : हमारी सरकार के लोग भी इसे स्वीकार करें और आपोजीशन से भी कहूंगा कि वे इसका समर्थन करें।

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: This is the exact sentiment of the country. If the Masjid is not going to be demolished, then there is no dispute. Let all of us here support the motion that this House resolves that the Masjid will not be demolished.

SHRI DIPEN GHOSH: And that Rath Yatra be abandoned.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow everybody to express his views.

शिवशंकर जी, आप बोल रहे हैं।

श्री जगेश देसाई (महाराष्ट्र) : माथुर जी समर्थन कर रहे हैं। माथुर जी, समर्थन कीजिए मोशन का।

श्री शब्बीर अहमद सतारिया (जम्मू और कश्मीर) : बिल्ली थैले से बाहर आ गई है। करो सपोर्ट आप इसका।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : यह हमें देशभक्ति सिखाते हैं, कश्मीर को हिन्दुस्तान से अलग करने वाले हमको देशभक्ति बता रहे हैं। ... (व्यवधान) ...

श्री कैलाश नारायण सारंग (मध्य प्रदेश) गोंडा पर चर्चा हो रही है तो गोंडा पर ही चर्चा कीजिए। उसमें चेहरे खुल जाएंगे कि कौन-कौन ताकतें हैं।

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान) : हम यह चाहते हैं कि गोंडा पर अगर चर्चा हो रही है तो यह गोंडा पर ही सीमित रहनी चाहिए। ... (व्यवधान) ...

SHRI V. GOPALSAMY: Let us hear Mr. Shiv Shanker, the Leader of the Opsition.

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : मैडम मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है ... (व्यवधान) ...

उपसभापति : प्लीज शांति से बैठिए। जैसा मैंने शुरू से कहा कि देश में अगर जो दंगों के ऊपर ही बात करनी है तो हम लोग शांति से बात कर सकते हैं इस पर एकमत होकर सब लोग कोई राय हाउस में बना सकते हैं सरकार से सवाल भी कर सकते हैं और अगर कुछ सजेशन देना चाहें तो वह भी दे सकते हैं। मैं सबको बोलने की अनुमति दूंगी लेकिन हमारे माननीय सदस्य मिश्र जी ने जो प्रस्ताव दिया है पहले उसको देख लूं कि वह रूल्स में आता है या नहीं ऐसे मोशन को हाउस में लाना।

श्री चतुरानन मिश्र : मैडम मैं, लिखित में इसलिए नहीं दे सका क्योंकि मेरी आंख का आपरेशन हुआ है मैं लिख नहीं सकता। मेरा अनुरोध है कि इसको लिया जाए।

श्री पी० शिव शंकर : मिश्र जी हम लोग लिख रहे हैं। ... (व्यवधान) ..

उपसभापति : मैं सबको बोलने की अनुमति दूंगी। ... (व्यवधान) ... पहले मुझे सबके व्यूज तो मालूम हो जाने चाहिए। ... (व्यवधान) ..

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ सीम अफजल : आप खड़े हो कर जवाब दीजिए आप से मैं दरख्वास्त करता हूं कि आप इस पर जवाब दीजिए।

उपसभापति : नहीं, मैं सबको मौका दूंगी बोलने का, जिससे सबकी राय मालूम होगी सदन की। इस सदन के सब मैम्बरों को बोलने की इजाजत है। प्लीज शिवशंकर जी।

श्री पी० शिव शंकर (गुजरात) : मैडम, मैं उर्दू में बोल सकता हूं?

उपसभापति : हां, आप उर्दू, हिंदी जिस जुबान में चाहें, बोल सकते हैं।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ सीम अफजल : अगर कोई उर्दू को याद कर लेता है तो हमें बड़ी खुशी होती है।

SHRI P. SHIV SHANKER: I am speaking in Urdu.

SHRI V. GOPALSAMY: Don't change your tone according to the audience.

SHRI P. SHIV SHANKER: I cannot speak Tamil.

THE DEPUTY CHAIRMAN: As long as the audience does not change according to the tone, I will be happy because I like this audience.

SHRI P. SHIV SHANKER: Sometimes to speak in different languages is also good.

नायब सदर साहिबा मामला बहुत संजीदा है और मुल्क की हालत को देखते हुए इस बात का तसफिया करना है कि हमारी खदरें किधर जा रही हैं । तकलीफदेह बात यह है कि जैसे-जैसे वक्त गुजरता जा रहा है हमारा समाज जो एक बहुत ही जटिल समाज है, जिस समाज में अगर थोड़ा भी रखना पैदा किया है जाए तो ऐसा लगता है कि पूरे समाज की ईंट से ईंट बज सकती है । इस बुनियादी बात को हम कभी इंकार नहीं कर सकते कि दस्तूर के मुताबिक इस मुल्क पर हर उस आदमी का हक है, जो इस मुल्क का शहरी है, चाहे हम अकलियत की बात करते है, चाहे अकसरियत की बात करते है, चाहे किसी और तबके या फिरके की बात करें, लेकिन बात साफ जाहिर है कि इस मुल्क पर हर उस आदमी का हक है, जो इस मुल्क का बाशिंदा है । इसमें कोई दर्जे दोयम का शहरी नहीं है, कोई दर्जे अव्वल का शहरी नही है ।

लेकिन मुश्किल क्या होती है कि जब हम सदरों को छोड़ देते हैं, हमारा ईमान और भरोसा खदरों से उठ जाता है तो मुसीबत हम पर जरूर नाजिल होती है । अभी आपके सामने जो बात कही गई है गौंडा के ताल्लुक से, वह तो एक हिस्सा है लेकिन आखिर में हमारे दिमाग की सूझ-बूझ क्या है उस पर हमें विचार करने की जरूरत है । इसी किस्म के कई हादसात हो रहे हैं । हाल में जो अखबारों में खबरें छपी हैं उनसे मालूम पड़ता है कि मुंम्बई में, उदयपुर में, बड़ोदा में, फिर गोंडा में इस किस्म के अक्सर हादसात हो रहे हैं । जहां हम सियासी पार्टियों से ताल्लुक रखते हैं, वहां हम सब लोगों का एक बात पर तो नजरिया साफ है कि हम सभी ने दस्तूर के नाम पर कसम खाई है और दस्तूर का एक बुनियादी जो उसूल है, वह है सैक्यूलरिज्म । अगर इस मुल्क में सैक्यूलरिज्म जिंदा नहीं रह सकता तो फिर यह मुल्क एक नहीं रह सकता, चाहे हम कितनी ही जबर्दस्त बातें करें, अपने माजी की यादें ताजा करें । अगर हम इस बात की भी कोशिश करते हैं कि इस मुल्क में एकतसारी तरक्की लायेंगे, समाजी की बुनियादों को ऊंचा उठायेंगे, लेकिन अगर हम सैक्यूलर खदरों को इस मुल्क में कायम करने में नाकामयाब होते हैं तो यह हमें साफ समझने की जरूरत है कि यह मुल्क एक नहीं रह सकता । चाहे सियासी पार्टियों का मन में नजर कुछ भी हो सकता है लेकिन जो बुनियादी उसूल हैं, जिन उसूलों पर हम सबने कसम खाई है—जब हम यहां मैम्बर बन कर आते हैं तो दस्तूर के नाम पर कसम खाते हैं, हलफ उठाते हैं और यह मुल्क के सारे जितने भी बाशिन्दे हैं, वह सारे के सारे इस दस्तूर के मातहत हैं, ऐसी सूरत में अगर कोई भी पार्टी, कोई भी कारकून इस बात की कोशिश करता है कि हमारे जो बुनियादी उसूल हैं, इन बुनियादी उसूलों को हिलाने की कोशिश करता है तो यह समझ जाइये कि हम खुद हिल जायेंगे और बुनियादी उसूल वहां के वहां रह जायेंगे । तो इस किस्म के जो हादसात हो रहे हैं, यह बड़ी बदकिस्मती की बात है ।

मैं आपकी जाविया निगाह एक और वाक्ये की तरफ भी मफजूल करवाना चाहता हूं जो आज के अखबारों में छपा है । मुझे इंतहाई तकलीफ इस बात से है कि जिन साहिब का यह बयान है, वह नेशनल फ्रंट के सदर हैं । अगर वह नेशनल फ्रंट के सदर नहीं रहते तो मैं इस ताल्लुक से इस हाउस की तवज्जो अभी मफजूल नहीं करवाता । . . . (व्यवधान) . . .

DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY (Andhra Pradesh): The statement has been withdrawn. It was wrongly reported in the Press.

SHRI P. SHIV SHANKER: I will come to that. I assure you, Mr. Reddy. (*Interruptions*)

DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY: Let us be fair. (*Interruptions*)

श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान : शिव शंकर जी से मैं दरख्वास्त करूंगा कि जब तक उस खबर की तफतीश न हो जाए, बराहेकरम रायजनी से एहतराज फरमायें ।

श्री पी० शिव शंकर : मेरी एक गुजारिश यह है कि अगर मैं कोई गलत बात कहूंगा तो मैं आपसे सबसे माफी मांगूंगा । लेकिन मुझे बोलने तो दीजिए । अगर आपके प्लीडर का नाम ले लिया और आपकी तकलीफ हो गई तो फिर कैसे ...(व्यवधान) ... आप सुन तो लीजिए ।

श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान (आन्ध्र प्रदेश) : यह उनका बयान नहीं है ।

श्री पी० शिव शंकर : मेरे पास मुस्तलिख अखबार है । ...(व्यवधान)

श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान : अखबार में जरूर आया है .... (व्यवधान) ..

श्री पी० शिव शंकर : आप अगर इतने एलर्जिक होते जाते हैं नाम से तो ...(व्यवधान) ...

श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान : एलर्जिक होने का सवाल नहीं है ।

श्री पी० शिव शंकर : मैं जो चीज बोल रहा हूं, बहुत जिम्मेदारी से बोल रहा हूं और मैं यह भी जानता हूं कि गैर जिम्मेदारी से अगर कोई लफ्ज कहा जाए तो उससे बढकर हतक इस हाउस की नहीं हो सकती । आप जरा सुनिए तो । मैं गुजारिश कर रहा था कि... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Vijaya Mohan Reddy, if you feel that that statement has been withdrawn or it was wrongly reported...(*Interruptions*). I am asking Shri Vijaya Mohan Reddy. If all of you speak at a time, nothing is heard. Mr. Reddy, you have raised it and I would like you to clarify it.

DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY: There was a meeting between Shri Rama Rao and...(*Interruptions*).

श्री पी० शिव शंकर : मुझे बोलने तो दीजिए । मैंने क्या कहा है जिस पर इतनी बहस हो रही है ? मैंने सिर्फ नाम लिया है, नेशनल फ्रंट के सदर की बात कही है ... (व्यवधान)

DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY: That has been totally denied by Shri Rama Rao himself.

SHRI MENTAY PADMANABHAM (Andhra Pradesh): It was reported in the press but it has been subsequently denied by Shri Rama Rao himself. That is what we would like to bring to your notice. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Shiv Shanker knows it. Let him speak.

श्री० पी० शिव शंकर : आप मुझे बोलने तो दीजिए ...(व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (मध्य प्रदेश) : महोदया, अगर कोई यह सुझाव देता है कि अयोध्या के विवाद को हल करने का सर्वोत्तम तरीका यह है कि बाबरी मस्जिद को वहां से हटाकर अलग कायम कर दिया जाए तो क्या इस देश में यह सुझाव देने की इजाजत नहीं है ।

श्री पी० शिव शंकर : मैंने कहा है । मुझे पूरा तो बोलने दीजिए । मैंने सिर्फ नेशनल फ्रंट के सदर की बात कही और यह कहा की उनका बयान ... । मैंने तो अभी तक यह भी नहीं कहा कि उनका क्या बयान है मैंने तो अभी तक कुछ कहा ही नही ... (व्यवधान) मुझे बोलने तो दीजिए ।

ठीक है, आप अपनी अलग राय रख सकते हैं, मैं उसके खिलाफ नहीं हूं । हमारी राय दूसरी हो सकती है । सदर साहिबा, मैं गुजारिश कर रहा था कि जिन साहब के ताल्लुक से बयान की बात आई है और जिस बयान की तरदीद भी आई है, अफसोसनाक बात यह है कि वह नेशनल फ्रंट के सदर हैं। अगर वह नेशनल फ्रंट हकूमत के सदर नहीं रहते तो शायद मैं इस मामले को यहां पर उठाता भी नहीं । कल सुबह की बात है, आडवाणी जी, उस प्रदेश के भारती

[श्री अटल बिहारी वाजपेयी]

जनता पार्टी के सदर और वहां की उस पार्टी के कानूनसाज असेंबली के अंदर जो इनका ग्रुप है, उसके नेता विद्याधर साहब वगैरह, ये सब उनके पास नाश्ते के लिए गए थे और उसके बाद जो एक प्रेस नोट जारी हुआ है ...(व्यवधान) देखिए मैं यह गुजारिश करना चाह रहा हूं कि आंध्र प्रदेश के अंदर भारतीय जनता पार्टी और तेलगू देशम पार्टी, इनके ताल्लुकात बहुत दोस्ताना हैं और आज से नहीं हैं 1983 से दोस्ताना हैं मफाहमत इतनी जबरदस्त है कि जब चुनाव भी लड़ते हैं तो कारकून एक-दूसरे का साथ देते हैं। हर मामले में एक दूसरे का साथ देते हैं ...(व्यवधान)

DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY: This is wrong way of putting facts.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you.

SHRI P. SHIV SHANKER: You will have an opportunity to put it in the right way.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will permit you to speak.

श्री पी० शिव शंकर : तो मैं उसी अखबार की तरफ आपकी तवज्जह दिलाना चाहता हूं, जिस अखबार में तरदीद की बात लिखी गई है। दूसरे अखबारों में तो सिर्फ यह बयान छपा है। उस अखबार में यह कहा गया है कि कल हमारे आंध्र प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी ने एक लिखित प्रेस नोट जारी किया है। उस प्रेस नोट में कहा गया है कि एन० टी० रामाराव साहब इस बात से मुत्तफिक हैं, आडवाणी साहब इस बात से मुत्तफिक हैं कि बाबरी मस्जिद को अयोध्या की उस जगह से मुंतकिल किया जाए। उसके बाद वह अखबार यह भी बोलता है

I will read this:

Later in the evening, in a hurriedly issued statement by Mr. N. T. Rama Rao: . . बहुत जल्दी में उन्होंने बुलाया इसलिए कि उन्होंने महसूस किया कि मामला टेढ़ा-मेढ़ा हो जाएगा, हालात खस्ता हो जाएगी, मैं शायद मुसीबत में फंस गया हूं, दुनिया मेरे ऊपर बुरी तरह से लांछन लगाएगी। शायद इसी लिए जल्दी में उन्होंने उनको बुलाकर ऐसा कहा। ऐसा होता है आमतौर से। लेकिन मैं चाहूंगा जो यहां पर जिम्मेदार लीडर हैं नेशनल फ्रंट के वे मेहरबानी करके अपना मतमे-नजर साफ कर दें कि क्या वह भी यह चाहते हैं ...(व्यवधान) ... मुझे बोलने दीजिए। आप हर बात पर क्यों खड़े होते हैं ...(व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jaipal Reddy after Mr. Shiv Shanker, I will allow you to speak.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): I request the Leader of the Opposition to yield for a minute.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I request the Members, leave the running of the House to me. I will allow you to speak.

SHRI P. SHIV SHANKER: You will have a chance to speak. Let me complete and then you can speak.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you to speak next.

श्री पी० शिव शंकर : मेरी गुजारिश यह है कि इतने बड़े लीडर और उस पार्टी के लीडर जो मरकज में बसरे एक्तदार हैं उस पार्टी के लीडर की तरफ से यह बयान आया है। प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी के सदर और लेजिस्लेचर में इस पार्टी के जो सदर हैं, उन लोगों ने बयान दिया है। गैर जिम्मेदार लोग नहीं हैं। बड़े दोस्त हैं आपस में यह सब उन्होंने जो बयान दिया है अगर यह बयान वाकई सही है, जैसा मालूम पड़ता है सही है और बाद में यह भी सही है कि उन्होंने पीछे हटने की कोशिश की, यह हमारे लिए बड़ी शर्मनाक बात है। आज हालत है ...(व्यवधान) मैंने पूरा पढ़ा है।

गुजारिश यह है कि एक तरफ मुल्क में हालत बद से बदतर हो रहे हैं ... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you. Mr. Jaipal Reddy, I am allowing you.

SHRI P. SHIV SHANKER: I can give you the papers so that you can read. There is no difficulty about it.

SHRI V. GOPALSAMY: You are deviating from the point to make a political gain.

SHRI P. SHIV SHANKER: No, I am not deviating. I am on the point. एक तरफ मुल्क में हालत बद से बदतर हो रहे हैं और दूसरी तरफ जिस तरह का माहौल पैदा किया जा रहा है वह फिरकेवाराना माहौल हम सब को कर खत्म कर देगा । इसलिए जरूरत इस बात की है कि हम कुछ ऐसे इकदाम उठाएं जिन इकदाम के जरिए से कम से कम ऐसी ताकतों को आगे बढ़ने से बचा सकें । नहीं तो होगा यह कि हम किधर के भी नहीं रहेंगे । मैं इस चेतावनी के साथ अपनी जगह लेता हूं ।

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam Deputy Chairperson, I heard the Leader of the Opposition with rapt attention. I must say that he commenced his speech on an extremely harmonious and sober note. I share the noble sentiments he articulated in the course of today's speech. But I was shocked, after he made such a good start, he could not resist the temptation of scoring a petty...

SHRI JAGESH DESAI: No, no... (*Interruptions*)

SHRI V. GOPALSAMY: He is correct. We never expected such a statement from Mr. Shiv Shanker. (*Interruptions*)

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Ask him to resign. (*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY: I don't mind the Leader of the Opposition stooping so low. (*Interruptions*)

SHRI JAGESH DESAI: You stooped so low. (*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY: When I heard you, you must hear me. You cannot run away from me. I am going to be heard in this House. I never expected Mr. Shiv Shanker to stoop so low.... (*Interruptions*)

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Mr. Rama Rao stooped so low.

SHRI S. JAIPAL REDDY: ....as to make a cheap political point based on blatant falsehood. I do not mind in the course of a parliamentary debate if cuts and thrusts are allowed, if somebody makes a point based on even a narrow factual point. The fact of the matter is that this point was based on utter, naked, total falsehood. (*Interruptions*)

SHRI P. SHIV SHANKER: It is stupidity to say like that.

SHRI S. JAIPAL REDDY: You had your say. You are a lawyer: I am not. But I am a student of logic. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please, order. (*Interruptions*).

If there is interruption, I don't think there can be any meaningful result out of it. Mr. Shiv Shanker made his point. If Mr. Jaipal Reddy wants to say something, let him say what he wants to say. (*Interruptions*)

Mr. Shiv Shanker says that he is at liberty to say what he likes.

SHRI P. SHIV SHANKER: If it is a question of licence, I give him the licence even to abuse me. I don't mind it.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: It is his magnanimity. We cannot allow it. (*Interruptions*)

SHRI P. SHIV SHANKER: I have never stooped. I have spoken in a very dignified language. (*Interruptions*)

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): The remark against the Leader of the Opposition should be withdrawn. This is too low.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Mr. Kalmadi, you and I know each other for years. Therefore, you know what I have been. Anyway, Mr. Shiv Shanker and I have been friends for a much longer period. (*Interruptions*)

SHRI SURESH KALMADI: It is very unfortunate, Madam. I think it should be expunged. We have never said so about the Leader of the House. (*Interruptions*). He is a friend of Mr. Shiv Shanker. It is very unfortunate.

SHRI P. SHIV SHANKER: Madam, let him show in the entire speech of mine where I have stooped low as he is trying to put it. I have used a very dignified language. I have not attacked. I have put only what the facts are. He is saying that I have stooped too low. Let him prove one sentence of my speech wherein I have stooped low. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat.

SHRI S. JAIPAL REDDY: I have not made any remark which can be considered unparliamentary.

SHRI SURESH KALMADI: Mr. Jaipal Reddy, this is not expected of you.

SHRI JAGESH DESAI: It is irresponsible. (*Interruptions*)

THT DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat. I say, "Please take your seat."

SHRI P. SHIV SHANKER: I agree that he is not using an unparliamentary language. But there is a propriety and decorum. It is a matter of his judgment. I leave it to him. But I would very much like to know in my speech one sentence where I have stooped low, as he is trying to put it. (*Interruptions*)

SHRI N. K. P. SALVE (Maharashtra): He is a gentleman and he has used Parliamentary language. I have no doubt in my mind. The difficulty is the language may be Parliamentary, but it is extremely intemperate. He should use a more temperate language. (*Interruptions*) I urge upon him; that will enhance his prestige. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please have order in the House. (*Interruptions*) Just a minute. (*Interruptions*).. How can I allow you to speak, when somebody is on his speech? Please take your seat. I am not permitting you. (*Interruptions*)

SHRI N. K. P. SALVE: Have you ever heard intemperate language from Shiv Shanker Ji or from me? We don't use intemperate language. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. Order please.

SHRI SURESH KALMADI: He should withdraw those remarks.

SHRI S. JAIPAL REDDY: What remarks should I withdraw? I am prepared to withdraw my entire speech if it hurts Mr. Shiv Shanker. (*Interruptions*)

SHRI N. K. P. SALVE: Did he cast any personal aspersions on any of the Members?

SHRI SURESH KALMADI: Please check up the remarks. Otherwise you withdraw... (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is very unfortunate. (*Interruptions*) Just a second. please.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल: रेड्डी साहब, मेरी बात सुनिये । मैं एक अर्ज करना चाहता हूं । कुछ लोग लफ्जों की बहस में पड़कर असल मुद्दे को दूसरी तरफ डाइवर्ट कर रहे हैं । आप असली बात पर आइये । हमें इस बात में कोई दिलचस्पी नहीं है कि शिव शंकर साहब ने आपकी शान में क्या कहा और आपने शिव शंकर साहब की शान में क्या कहा । आप असली मसले पर आइये, असली बात कीजिये । लोग मर रहे हैं और मुल्क का माहोल खराब हो रहा है । असल बात पर आइये ।

SHRI S. JAIPAL REDDY: I agree with the point made by my colleague. Mr. Afzal, that we must all come to the grip of the substantive issue. But Mr. Shiv Shanker made a responsible... (*Interruptions*) No, he made a point and I want to ...(*Interruptions*). Why are you obstructing? He made a responsible allegation, which is, unfortunately, utterly untrue. That is the point. He based his allegation on hearsay evidence.

SHRI JAGESH DESAI: Place them.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please, Mr. Jagesh Desai, don't interrupt. He has a right to say what he wants to say. Please take your seat. (*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY: He made his allegations not only on the basis of the press reports, but also — I am repeating — on the basis of hearsay evidence. I am not a student of law. Mr. Shiv Shanker is. We have a legal luminary in Mr. Ashoke Sen here. Tell me whether hearsay evidence is admissible in law.

SHRI MADAN BHATIA (Nominated): I want to ask you one question. Is your recitation based on personal knowledge? If you have no personal knowledge, how can you impute. . .? (*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY: I am responding to Shiv Shanker Ji. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. jaipal Reddy, I will request you, please don't go back into the court and things like that.

SHRI S. JAIPAL REDDY: No, he made a sweeping allegation on the entire National Front. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: O.K. You say it is wrong if you want to say. (*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY: It was based upon the Press reports. (*Interruptions*). It was not based on the report of the TDP leaders. The TDP leader, Mr. N. T. Rama Rao, who is the Chairman of the National Front, lost no time whatsoever in denying it completely. Mr. Shiv Shanker knew that the original thing was based upon the report sent by the BJP leader. The same thing was denied by the TDP leader, Mr. N. T. Rama Rao and yet in his abundant political wisdom he chose to refer to it and formulated an allegation on the basis of it ... (*Interruptions*)...

12.00 NOON

SHRI N. K. P. SALVE: Come to the point now.

डा० अबदार अहमद खान (राजस्थान): यह ऐसी बातें कर रहे हैं और एक बज जाएगा और हम जो कहना चाहते हैं, वह रह जाएगा।...(व्यवधान) दूसरों को कोई मौका ही नहीं देना चाहते हैं।

SHRI S. JAIPAL REDDY: May I tell you one thing Chairperson? Even when the Congress (I) was in power, even when the elections were on, we made it clear that under no circumstances would we allow Babri Masjid to be touched with a bargedpole, come what might. That has been our consistent, insistent and persistent stand on this issue. There is no need for any further clarification. Mr. P. Shiv Shanker and his friends ...(*Interruptions*)... thus owe an explanation to the country. Their leader Mr. Rajiv Gandhi in the course of the election campaign which started from Ayodhya ... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Have patience. Just a minute. एक मिनट बैठिये। मुद्दा यहां कम्यूनल रायट्स का था।

We have gone into unnecessary dispute over the words of what Mr. Shiv Shanker has said, what you said, what somebody did not say. The whole question is that the House is concerned about the communal tension and how to defuse the situation....(*Interruptions*) I will allow you. What I understood from all the discussions was what Mr. Shiv Shanker said, Mr. Reddy re-

[The Deputy Chairman]

pudiated it. He said that it was not a statement by Mr. N. T. Rama Rao. It was by some BJP source. Now that is over ... (*Interruptions*) ... Now I request the Members to take their seats. ..(*Interruptions*)...

आप बोलिये अटल जी। ...(व्यवधान) मैं उनकी बात कर रही हूं, अपनी नहीं कह रही हूं।

I am not saying, I am repeating what he has said.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: मैं अटल जी से माफी मांगता हूं। (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: May I request you to take your seat?

उपसभापति : अटल जी से माफी नहीं, चेयर से माफी मांग करके बोलिये।

आपको बोलना है, अटल जी बोलिये।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मैं सोच रहा हूं कि अभी बोलूं कि बाद में बोलूं।

उपसभापति : आप जब चाहें, तब बोलिये। आप मांगिये तो, मैं आपको इजाजत दे रहो हूं। आप अभी बोलना चाहें, तो अभी बोलिये।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : महोदया, आपने ठीक कहा कि चर्चा हुई थी सांप्रदायिक दंगे की और उसमें करनैलगंज में जो कुछ हुआ है, उसकी ओर सदन का ध्यान दिलाया गया।

वहां व्यापक पैमाने पर दंगा हुआ है, बहुत बड़ी तादाद में लोग मारे गये हैं। उत्तर प्रदेश की सरकार ने न्यायिक जांच का ऐलान किया है, लेकिन साथ में मुख्य मंत्री महोदय, कौन दोषी है, कौन गुनाहगार है, यह भी बता रहे हैं।

अदालती जांच होनी चाहिए, सारे तथ्य सामने आने चाहिये। जो भी देश में इस समय सांप्रदायिक दंगे भड़काता है, वह देश का अहित करता है। वह विदेशी शक्तियों के हाथ में खेलता है, लेकिन मेरा निवेदन है कि अगर हमें छोड़कर सारा सदन कोई प्रस्ताव पास करना चाहता है, ...(व्यवधान)

उपसभापति : अभी तो कोई प्रस्ताव... देखिये अटलजी, आप भी नियमों को जानते हैं। ...(व्यवधान)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : महोदया, हमें मौका ...(व्यवधान) हमारी तो जबान बंद है। ...(व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat.

उपसभापति : आप अपनी जगह पर जाइये और बीच में इंटरप्ट मत कीजिए।

अटल जी, आपको मालूम है कि हाऊस में कोई भी प्रस्ताव या कोई मोशन आता है, तो उसका एक तरीका है। एक मेम्बर इमोशन में—आप यहां पर थे नहीं—जो गोंडा के हमारे माननीय सदस्य हैं, वह यहां आकर के बैल में बैठ गये। वह एकदम दुखी थे, रो रहे थे। इसलिए उनको बाहर भेजा गया और सदस्य इस बात पर सदन में चर्चा कर रहे हैं कि कैसे देश के अंदर शांति की भावना आये, यह सवाल था। सी.पी.आई. के जो मेम्बर हैं... उन्होंने चतुरानन जी ने एक प्रस्ताव रखा अभी उसमें क्या टैक्नीकल है वह देखेंगे, आप अपनी बात कहिए। प्रस्ताव डिसकस नहीं हो रहा है, यह तो जो राम नरेश जी ने कम्युनल दंगे की बात कही है अभी तो वही डिसकस हो रहा है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : महोदया गृह मंत्री महोदय से कहा जा सकता है कि वह उत्तर प्रदेश सरकार से कर्नलगंज और अन्य स्थानों पर हुए सांप्रदायिक उपद्रवों के बारे में सारे तथ्य मांगे और इस सदन के सामने सदन की बैठक स्थगित होने से पहले रखें। जो कुछ हो रहा है यह बहुत ही चिंता का विषय है। मेरा गोंडा से संबंध रहा है। मैं बलरामपुर से लोक सभा

का प्रतिनिधि निर्वाचित होकर आता था और वहां से जो खबरें आ रही हैं वह बड़ी भयावह खबरें हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने कुछ अफसरों के खिलाफ कार्यवाही की है लेकिन क्या वह पर्याप्त है ? जब तक तथ्य सामने नहीं आ जाते तब तक मेरा निवेदन यह है कि गृह मंत्री महोदय से कहा जाए कि वह तथ्य सामने लाएं तो इस सदन को अपनी बात कहने का मौका मिलना चाहिए। अगर इसके साथ देश में और जो परिस्थिति है उस पर चर्चा करनी है तो मेरा निवेदन है कि हम किसी भी चर्चा के लिए तैयार हैं, लेकिन अगर हमें कटघरे में खड़ा करने का प्रयत्न किया जाएगा तो हम फिर दूसरे को बिना कटघरे में घसीटे छोड़ेंगे नहीं। ... **(व्यवधान)**

श्री सैयद सिब्ते रजी : मैडम, जयपाल रेड्डी साहब ने कह दिया कि वह स्टेटमेंट उनका नहीं है। अब सवाल यह उठता है कि कौन सच नहीं बोल रहा है ? जनता दल का चेयरमैन सच नहीं बोल रहा है या भारतीय जनता पार्टी का ...है ...सच नहीं बोल रहा है, यह बात मालूम होनी चाहिए ? यह जो आब्जेक्शन आया है उसमें कौन सा विंग है जो सच नहीं बोल रहा है, यह बात अभी खुलकर आनी है। ... **(व्यवधान)** ...

उपसभापति : प्लीज।

श्री पी० शिव शंकर : मैडम, अटल जी यह कह दें कि यह सच नहीं है कि उनके सदर ने प्रैस नोट इश्यू नहीं किया है वह गलत है। इतना वह कह दें तो वह हमारे लिए काफी है। अगर ... **(व्यवधान)**

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : यह मुद्दा मुझसे छूट गया। श्री आडवाणी जी रामाराव जी से मिले थे। हम सहयोगी हैं, पुराने मित्र हैं और आडवाणी जी रामाराव जी की सलाह लेने गए होंगे, अपने विचार उन्हें बताने गए होंगे। बात-चीत में यह निकला होगा कि हम मस्जिद को तोड़ना नहीं चाहते। बिना मस्जिद को तोड़े हुए, सम्मानजनक तरीके से उसे और स्थान पर बनाया जा सकता है, रखा जा सकता है और उसका पुनर्निर्माण किया जा सकता है। ... **(व्यवधान)** ...

श्री सुरेश कलमाडी : बिना तोड़ हुए, क्या जादू है ? ... **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat. (*Interruptions*). He is speaking. How can I allow you when he is speaking- (*Interruptions*).

डा० अबरार अहमद खान : मैं आपकी गलतफहमी दूर करना चाहता हूं।

उपसभापति : आप बैठिए। ... **(व्यवधान)** ... अभी आप बैठिए, मैं एलाउ करती हूं, उनका पूरा तो होने दो।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : चूंकि इस चर्चा के सिलसिले में यह सुझाव आया हो कि... **(व्यवधान)** ... आन्ध्र में भी कई प्रोजेक्ट बने जिनमें पुराने मंदिरों के के डूबने की आशंका थी उन मंदिरों को सम्मान के साथ उठा कर दूसरी जगह रख दिया गया है। आंध्र में ये ऐसे उदाहरण हैं। चर्चा में यह बात आई होगी। यह चर्चा में आ सकती है। क्या मनुष्य यह सुझाव दे सकता है और यह अयोध्या को हल करने का एक तरीका है। लेकिन जब रामा राव जी कह रहे हैं कि मैंने ऐसे नहीं कहा तो यह मामला खत्म हो जाना चाहिए।

उपसभापति : श्री सत्य प्रकाश मालवीय।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश): माननीय उप सभापति, श्री राम नरेश यादव... **(व्यवधान)** ...

डा० अबरार अहमद खान : मैडम, जो बड़े नेता हैं वे तो बोलते रहते हैं, हम लोगों को भी बोलने का मौका मिलना चाहिए।

उपसभापति : यहां सब बड़े नेता है, सब छोटे नेता हैं इस हाउस में, सब बराबर हैं। मगर कायदे से एक-एक ही बुलाया जाएगा एक वक्त में दो लोग तो नहीं बोल सकते। ... **(व्यवधान)** ...

[उपसभापति]

It does not matter. I cannot help it. If Shiv Shankerji is speaking, can I stop him halfway? So you have to have patience in the House and if you ask me, I won't allow anybody. (*Interruptions*).

SHRI N. K. P. SALVE: Madam, may I have your permission?

THE DEPUTY CHAIRMAN: I had asked Mr. Satya Prakash Malaviya to speak. Thereafter, I will allow you. (*Interruption*). He has been asking to speak right from the beginning. (*Interruption*).

डा० अबरार अहमद खान : मैडम, मैं तो एक वर्ड नहीं बोला हूं ।

उपसभापति : आप ठीक हैं तो दूसरे लोगों को भी बोलना है । एक मिनट बैठिए ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय उपसभापति जी, अभी श्री राम नरेश यादव जी ने उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में वहां जो कर्नलगंज स्थान है..... (व्यवधान)...

डा० अबरार अहमद खान : मैं आपको कारण बताना चाहता हूं ।

उपसभापति : बैठिए-बैठिए । मैं यही बात कह रही हूं कि यह पोलिटिकल बात नहीं है, यह लोगों के मरने की बात है। गुस्सा नहीं कीजिए । प्लीज सिट डाउन। आराम से बैठिए । देखिए अफसोस की बात यह है कि जब हाउस के अन्दर कोई सीरियस मसला आता है तो हर मेंबर यह कोशिश करता है कि मेरा नाम उस पर लिखा जाय और उसके बाद ही हाउस में दंगा शुरू हो जाता है । अब यह तो नहीं हो सकता कि हर आदमी एक ही सब्जेक्ट पर एक ही वक्त बोल सके । उसका कोई प्रोसीजर होता है । ...(व्यवधान)...आपको किस बेसिस पर सबसे पहले मैं बुलावा लूं । जिस-जिस ने हाथ उठाया है, मैं एक-एक को ही बुला सकती हूं इसलिए आप सुकून से ठंडे दिल से बैठिए । मैं आपको बुलवा लूंगी । ...(व्यवधान)...

श्री चतुरानन मिश्र : महोदया, मेरे रेजोल्यूशन...(व्यवधान)...मोशन हाथ-चैक हो रहा है ।

उपसभापति : आपका रेजोल्यूशन आप लिखकर दीजिए, तब देखा जाएगा अभी नहीं ।

श्री चतुरानन मिश्र : आपने कहा कि टैक्नीकल जांच कर रहे हैं ?

THE DEPUTY CHAIRMAN: That has got to be looked into. I have told the Secretary-General. आप लिखकर कर तो दीजिए । आप किसी और से लिखा लीजिए ।

श्री चतुरानन मिश्र : लिखकर तो दिया है ।

उपसभापति : मिश्र जी, आपकी आख में तकलीफ है । मैं समझ सकती हूं कि आप खुद नहीं लिख सकते । आप किसी सहयोगी से लिखवा लीजिए मगर वह मोशन रूल के मुताबिक आना चाहिए मेरे सामने ।

श्री सैयद सिब्ते रज़ी (उत्तर प्रदेश) : बी०जे०पी० वालों से लिखवा लें ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : हम आपको मौके से फायदा नहीं उठाने देंगे ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय उपसभापति महोदया, पूरे देश में आज करीब-करीब 5-6 सूबे ऐसे हैं जिनमें उ०प्र० में कर्नलगंज में गोंडा है, इसके अतिरिक्त कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान में उदयपुर और मध्य प्रदेश में रायपुर जहां कि पिछले 3-4 दिनों में सांप्रदायिक दंगे हुए हैं, निर्दोष लोगों की जानें गयी हैं और वहां की सरकारों के विरुद्ध आरोप भी लगाए गए हैं । लेकिन मुझे इस बात से प्रसन्नता है कि आज प्रातः समाचार-पत्रों में मैंने भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी जी का यह बयान

पढ़ा कि भारत-पाकिस्तान का महासंघ बनना चाहिए । मुझे तुरंत डा. राम मनोहर लोहिया की याद आई जिनकी मृत्यु 12 अक्तूबर को हुई थी । जब हिंदुस्तान-पाकिस्तान का बंटवारा हुआ था, डा. लोहिया ने कहा था कि यह बंटवारा नकली बंटवारा है और एक-न-एक दिन यह बंटवारा खत्म होकर रहेगा । उसके बाद पाकिस्तान से बंगलादेश अलग हुआ ।

महोदया, जो आडवाणी जी ने मांग रखी है और जो उन्होंने अपना विचार व्यक्त किया है, उसके प्रति मैं अपना समर्थन व्यक3 करता हूं । इसी तारतम्य में मैं भी कहना चाहता हूं कि तत्कालीन प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने 12 मई, 1983 को सांप्रदायिक दंगों के संबंध में केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालय और विभिन्न राज्य सरकारों के लिए एक सर्कुलर जारी किया था वह समीचीन है। उस सर्कुलर का पालन-अनुपालन गोंडा, कर्नलगंज को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री मुलायमसिंह यादव ने किया है, जो मैं बाद में बताऊंगा । महोदया, 12 मई, 1983 का जो सर्कुलर है—

"The increase of communalism in recent months and the large number of attacks on the lives and properties of minorities is cause for deep sorrow. These incidents are a blot on the good name of our country. They have been deliberately created by militant communal elements who do not hesitate to sacrifice the strength and security of the country for their own narrow, nefarious ends.

From my earliest childhood I have been committed to the secular ideal. The India of our dreams can survive and prosper only if Muslims and other communities can live in absolute safety and confidence."

Then she went on to say that "in areas where communal riots occur, in such areas and even else-where the prevention of communal tension should be one of the primary duties of D.M. and S.P Their performance in this regard should be an important factor in determining their promotion prospects and action should be taken against the DM and the SP where communal riots occur."

Now, I would like to quote the statement of the Chief Minister of U.P., Mr. Mulayam Singh Yadav yesterday from Lucknow.

गोंडा के दंगों की न्यायिक जांच के आदेश के संबंध में मुख्य मंत्री श्री मुलायमसिंह यादव ने घोषणा की है । मुख्य मंत्री आज विमान से गोंडा पहुंचे और वहां से कर्नलगंज गए । वहां उन्होंने कर्नलगंज के दंगा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया । श्री यादव ने वहां के जिला पुलिस अधीक्षक और जिला अधिकारी के ट्रांसफर के आदेश दिए ।...(व्यवधान)... कांग्रेस के जमाने में एक भी कलेक्टर, एक भी सुपरिंटेंडेंट को ट्रांसफर नहीं किया गया । श्री मुलायमसिंह यादव ने जिला पुलिस अधीक्षक रजनीकांत मिश्र का तबादला करने की भी घोषणा की । गोंडा के जिला अधिकारी को कल ही ट्रांसफर किया जा चुका है । कर्नलगंज के संवाददाताओं से बातचीत करते हुए मुख्य मंत्री ने कहा कि कर्नलगंज के परगना अधिकारी, वहां के पुलिस उप-अधीक्षक और पुलिस इंसपेक्टर को निलंबित कर दिया गया है । बाकी उन्होंने मुआवजा वगैरा की जो घोषणा की है, उसमें मैं नहीं जाना चाहता । मैं सिर्फ यह निवेदन कर रहा हूं कि वहां पर जो दंगा हुआ, वह नहीं होना चाहिए था । लेकिन जब दंगा हो गया तो उसके बाद सबसे जल्दी जो कुछ भी कार्यवाही इंदिरा जी ने अपने सर्कुलर में बतायी, उसका किसी भी कांग्रेस हुकूमत से आज तक अनुपालन नहीं किया, उसका अनुपालन मुख्य मंत्री श्री मुलायम सिंह यादव ने किया है ।

महोदया, इसलिए हम सबको यहां पर संकल्प लेना चाहिए कि आज इस देश में राष्ट्र की एकता और अखंडता को जो खतरा उत्पन्न है, उससे हम मिलकर निपटेंगे । इसके लिए किसी सरकार पर

[श्री सत्य प्रकाश मालवीय]

आरोप लगाने से काम नहीं चलने वाला है । मुझे एक पूर्व माननीय सदस्य ने कहा है कि हमें संकल्प लेना चाहिए कि इस प्रकार के सांप्रदायिक दंगे कभी इस मुल्क में न हों और सदन के बाहर जाकर इसके लिए काम करना चाहिए ।

अन्त में मैं चतुरानन मिश्र जी की बात का समर्थन करता हूं और कल भी मैंने इस बात के लिए श्री गुरुदास दासगुप्ता के स्पेशल मेंशन का समर्थन किया था । मेरा भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी जी से निवेदन है कि सोमनाथ के मंदिर से उन्होंने जो रथ यात्रा प्रारंभ की है उसे देश की जो स्थिति है उसे देखते हुए उन्हें अपनी रथयात्रा को समाप्त या स्थगित कर देना चाहिए । इस बात का निवेदन मैं इसलिए कर रहा हूं क्योंकि आडवाणी जी 18 तारीख को दिल्ली पहुंचने वाले हैं । उसके कार्यक्रम के मुताबिक 18 तारीख से 24 तारीख तक वे बराबर दिल्ली में रहने वाले हैं । दरअसल बात अडवाणी जी की जरूरत आज दिल्ली में है । दिल्ली इस देश की राजधानी है । आज आडवाणी जी को अपनी रथयात्रा स्थगित कर दिल्ली आना चाहिए और राष्ट्र की मुख्य धारा में सम्मिलित होकर उनको अपनी राय देनी चाहिए कि पांच-पांच, छ-छः सूबों में जो सांप्रदायिक दंगे भड़क रहे हैं वे तुरन्त समाप्त होने चाहिए ।

श्री राम नरेश यादव : महोदया, मैं . . .

उपसभापति : आप तो बोल चुके हैं, आप कृपया बैठ जाइए । आप जो तजवीज देना चाहते हैं, वह बाद में दे दीजिएगा अभी जो नहीं बोले हैं, मुझे उन्हें बुलवाना है ।

SHRI N. K. P. SALVE: Madam, this is a very delicate issue and I want to particularly appeal to my very esteemed friend, Shri Atal Bihari Vajpayee, because I have seen in him an extremely humane attitude and several times the sentiments he has expressed in this House are very noble. It is not a question, if we drag him in the wrong box, he will drag us in the wrong box. The issue is an issue of human life and I urge upon him, Madam, through you, very sincerely, whether or not, whatever the reasons, whoever is responsible, communal riot is a reality today. And if communal riot is something which is reprehensible, whether it be the blood of a Hindu or a Muslim, it is the Indian blood which is flowing on the soil of this land and if it is that which you want to be against, please get above political considerations. It is not a question that we want to drag you into a wrong box, but is there any nexus between your *rath yatra* and what is happening in Gonda, what is happening in other places and Gujarat? It is not a question of scoring any debating point. Please analyse yourself very objectively. I would appeal, I would urge upon you, assuming your cause is absolutely right, assuming without conceding that you are entitled to construct a Ram Mandir there and that you are entitled to remove the Masjid there, assuming for a moment without conceding all this is correct, if the methodology that you are thinking is defective and faulty as a result of which there is going to be a bloodshed of this nature, is it fair and proper that you continue to insist on the same modality of achieving a right thing? Means have to be as fair as the end and a means which results in this kind of a bloodshed of any Indian can never be a fair means. Atalji, I urge upon you to consider this. What is the basic philosophy behind the yatra? The basic philosophy behind the yatra is, come what may, we will march to Ayodhya. From the little that I have known from childhood and read about Shri Ram, he is in human body an embodiment of divine virtuosity, justice and compassion. And you are not marching to Sri Lanka. You are marching to Ayodhya, the birth-place of a person who embodies all this kind of divine qualities. Is it fair that in the process you allow this kind of carnage

to go on? Whatever the things, the mandir is not running away nor is the mosque running away. Let first things come first. If you are willing to accept that, never mind the other things. There is no loss of face if you accept what mahatmaji said. Mahatma Gandhi used to say this, he always pointed out, that if something was done and people resorted to violence, he would rather give up that cause unless people came to the path of rectitude, because he always maintained that it is not enough that I aim to achieve noble ends, noble goals; if I wish to achieve that goal, the means has to be equally noble. Surely the means could never be this kind of a bloodshed. The only point I want to make is that something has happened in Gonda, a riot has taken place. I accept as valid what Atal Bihariji said, let us ask for a report and then let us debate about it. May I urge upon him. Did we not have reports *ad infinitum, ad nauseam,* on communal riots? Have they come to an end? What is needed is to understand the bitter reality behind this, the distrust between the two communities and take steps. Normally to a BJP leader I would never turn to urge upon, but since personally I have very great esteem for Atalji, I urge upon him. Here is a man who is capable of giving a proper lead, who uses a temperate language, a very fair language. So many times he was expostulating his thoughts. Today is the time for him to translate those thoughts into action. The other day what Mulayam Singh said on a platform that I happened to share with him, appealed to me. I must mention apparently he is a very rustic un urbane person. Something which he said made me feel how well rooted are his feet amongst the masses. He said Sankaracharya is one man whose feet I touch; he is a revered leader of my religion; I am his follower, I am his disciple. But when I am sitting as a Chief Minister, I have taken some oath and people have reposed their trust in me. Am I going to betray the same people who have reposed their trust in me? What am I asking? All that I am saying is if I am sitting here, I am the custodian of the democratic rights of the people and if I were to say that I will not abide by and not submit to the judgment of the High Court, it would mean that I am going against the cardinal principles of democracy, I would be shaking the very roots. If I have to nurse the democratic traditions, if I have to nurse the democratic institutions, I have to be true to the traditions, I have to be true to the Constitution. This is my bounden duty. And the last drop of blood in my body, I will shed to perserve those traditions as long as I am the Chief Minister. Therefore, if such a man is unable to protest the Muslims or other people who are there in U.P.—I am sorry for using the word 'Muslims' —if he has failed to protect them from becoming victims of the bloodshed, then there might be something drastically wrong somewhere; perhaps with him and his administration also, because a large many things have been happening in the present day administration. What happened in Bhagalpur for which we have been blamed? (*Time Bell*) All that I would submit in the end is this. One more thing he said which appealed to me. He said, if there was a BJP Chief Minister, if there was a Congress Chief Minister, if there was any other Chief Minister and if he was true to his salt and true to his oath and true to the faith reposed in him, he would have taken the same decision which I have taken, and my decision is to abide by the judgment of the court whenever it comes, and in the meanwhile not to take any precipitate action. And that is what, Atalji, your party is doing. With great regret and deep anguish I am urging you this question. He should not be so assertive in this matter as to say, "All right. Come what may, ...". It is not a question of scoring a political point. When the elections come, we have enough to talk about, we have enough nonsense to talk about.

SHRI SIKANDAR BAKHT (Madhya Pradesh): I do not snare that view.

श्री एन०के० पी० साल्वे : सिकन्दर बख्त साहब, एक बात समझ लीजिए, मेरी दरख्वास्त है . .(**व्यवधान**)...एक बात सुन लीजिएगा आप । अगर आपका लक्ष्य है, आप समझते हैं कि ठीक है यह होना चाहिए तो सर आंखों पर आपकी बात आपके लिए मुबारक हो, हम उससे सहमत न हों । मगर उसकी वजह से अगर आज मुल्क में इस तरह की बरबादी हो रही है, खून खराबा हो रहा है तो यह बताइए कि आपका लक्ष्य ज्यादा महत्व का है या इस चीज को रोकना ज्यादा महत्व रखता है? यह मेरा सवाल है आपसे अटल जी और उसका जवाब यह कह देना कि यह तो होता रहता है, हम आपको खींचते हैं आप हमको खींचते हैं। पर यह आज का मौका क्या खींचने का है या रुकवाने का है ? और अगर वह सकवाने का है तो मेरी आपसे करबद्ध प्रार्थना है कि इसे आप हो कर सकते हैं। रुम कहेंगे तो हमारी बात तो उल्टी हमझी जाएगी, दूसरा कोई नहीं करेगा और अगर आपने नहीं किया तो आने वाला इतिहास आपको और आपकी पार्टी को माफ नहीं करेगा । थैंक यू ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have got many names of Members who want to speak ....(*Interruptions*).... Please do not make speeches.

डा० अबरार अहमद खान : मैडम, मैं काफी देर से गुजारिश कर रहा हूं कि मुझे इस मसले पर बोलने की इजाजत दी जाये...(**व्यवधान**)

उपसभापति : कृपया बैठ जाइए ।

डा० अबरार अहमद खान : .... (**व्यवधान**) जो लोग भाषण देने वाले थे दे चुके हैं...(**व्यवधान**)

उपसभापति : हां, यही मैं कहने जा रही हूं कि जो लोग भाषण दे रहे थे दे चुके । इसमें कोई दो राय नहीं... (**व्यवधान**) आपका क्या मतलब है कि जो साल्वे साहब ने बोला, शिवशंकर जी ने बोला या राम नरेश यादव ने बोला वह हकीकत नहीं थी वह खाली भाषण था । वह भी हकीकत थी ।

डा० अबरार अहमद खान : मैं हकीकत से इंकार नहीं कर रहा हूं ...(**व्यवधान**)

उपसभापति : बस ठीक है उन लोगों ने भी हकीकत बोली ।

डा० अबरार अहमद खान : साम्प्रदायिक झगड़े जो भड़क रहे हैं उनको कैसे रोका जाये उसके बारे में ....(**व्यवधान**)

उपसभापति : आप बैठिए । अभी तक डेढ़ घंटा इसी विषय में हम लोग बोल चुके हैं ।

डा० अबरार अहमद खान : आधा घटा और दीजिए ।

एक माननीय सदस्य : हम लोगों को भी मौका दीजिए ।

डा० अबरार अहमद खान : मैडम, हम बैठेंगे ढाई-तीन बजे तक यहां ।

उपसभापति : यहां तो बैठना ही है । आप हाउस के मेम्बर हैं आप सारा दिन बैठेंगे ।

डा० अबरार अहमद खान : न तो पार्टी लेविल से, न इस लेविल से किसी तरफ से भी नहीं बोलने दिया गया इस हाउस में ।

उपसभापति : देखिए, आप पार्टी के मेंबर हैं आपको तो बैठना ही है अपनी पार्टी के साथ और हाउस के मेंबर हैं तो हाउस में भी बठना है ।

डा० अबरार अहमद खान : हम सुबह से हाथ उठाते रहे लेकिन नहीं बोलने दिया गया । परसों भी कोशिश करते रहे लेकिन बोलने नहीं दिया गया ।

उपसभापति : बैठिए, बैठ जाइए । एक-एक को बुलाना है मुझे । अंसद मदनी साहब, आपको मैं बुलाऊंगी । यह खड़े हैं, मैंने इन्हें आइडेंटीफाई किया है । यह भी सुबह से हाथ उठा रहे हैं, बोलिए ।

SHRI V. GOPALSAMY: The same yardstick should be applied to all .... (*Interruptions*)...

SHRI DIPEN GHOSH: After Mr. Ram Naresh Yadav, Mr. Shiv Shanker and Mr. Salve have spoken on behalf of the Congress (I), he is also going to speak? What does it mean? .... (*Interruptions*) Communal harmony is not the preserve of the Muslims or Hindus.

डा० अबरार अहमद खान : ..... **(व्यवधान)** यह साबित करना चाहते हैं कि यह मुसलमान मेंबर हाउस में बैठते हैं अगर मुसलमानों की बात आती है तो एक अल्फाज भी नहीं बोलते ? यह साबित करना चाहते हैं आप लोग ? मैं यह कह रहा था कि पोलिटिकल माइलेज लेते हैं आप लोग ..... **(व्यवधान)** क्या यह साबित करना चाहते हैं कि कोई मुसलमान मेंबर नहीं बोलते ? क्या साबित करना चाहते हैं आप ? . **(व्यवधान)**

उपसभापति : बैठिये, बैठिये ।

डा० अबरार अहमद खान : क्या कोई मुसलमान मेंबर मुसलमानों के बारे में बोलने के लिए हक नहीं रखता ? ... **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Shiv Shanker, please control him..... (*Interruptions*)...

SHRI M. M. JACOB (Kerala): Madam, Dr. Abrar Ahmed Khan did not make any noise, because he is a very displined Member. The point is that he was showing his hand from early moring, and...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, Mr. Jacob, do not give sermons to the Chair. I am sorry. Please take your seat. Do not give me sermons, please. How many Members have spoken? Everybody is raising his hand. Do not cast aspersions on the Chair. That is very easy.

जिन लोगों ने हाथ उठाया है, उनको मैं एक-एक करके बुलवा रही हूं । मैंने सबसे पहले गोंडा के मेंबर को कहा था कि आप आकर बोलिए । उनकी तबीयत ठीक नहीं थी इसलिए वे बाहर चले गए । आप लोग हर दफा इतना गुस्सा करेंगे तो जो अच्छे मसले हैं वह भी खत्म हो जायेंगे । बाहर तो झगड़ा हो ही रहा है, आप अंदर भी झगड़ा कर रहे हैं । यह कितने अफसोस की बात है । जरा ठंडे दिमाग से बात कीजिए ।

SHRI DIPEN GHOSH: You are the Chief Whip of the party. You can choose your own speakers.

SHRI M. M. JACOB: It is my duty, and I know how to....(*Interruptions*) You are not here to dictate to me as to how.. (*Interruptions*)

उपसभापति : मदनी साहब, आप भी जरा... **(व्यवधान)** एक मिनट तो बैठिए ।

SHRI SHABBIR AHMAD SALARIA: On a point of order. Mr. Madni was identified by you. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Doesn't matter. In place of Mr. Malaviya I allowed Mr. Salve.

(*Interruptions*)

उपसभापति : देखिए, आप जस्टिस की बात कर रहे हैं । मेंबर्स यहां बैठे हुए हैं, 11 बजे से साढ़े 12 बजे तक मैं क्या कर रही हूं ? आपने नहीं देखा कि मैं एक-एक मेंबर को बुलवा रही हूं ? मैं 10 लोगों को एक साथ कैसे बुलाऊं ? आप 10 लोग बोलना चाहते हैं तो बोलिए, मुझे कोई एतराज नहीं है ।

That is my reply to the point of order. Please sit down.

SHRI SHABBIR AHMAD SALARIA: Please don't deny that you identified... (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down.

(Interruptions)

उपसभापति : उनको 2 मिनट बोलने दीजिए, फिर मैं सबको एलाऊ कर दूगी। इसके बाद हमें पंजाब का रेजोल्यूशन भी लेना है। मेरे पास स्पैशल मैंशंस भी लिस्टेड हैं। अगर सारा सदन एक ही बात पर बोलेगा, अगर 2 मिनट भी सबको दें तो इस हाऊस में 200 मेम्बर्स हैं, तो कितना समय लगेगा यह तो सोचिए। आपकी पार्टी के लोगों ने बोल दिया, बात खत्म हो गई।

SHRI V. GOPALSAMY: Madam Deputy Chairman, the Ramjanambhoomi and Babri Masjid controversy is posing the threat of a volcano on which we are sitting today. That could erupt any time. That could explode. The gun-powder is dry and stored. A small incident, a single spark, can ignite, and then there will be an uncontrollable conflagration. This is the situation today. Madam, as Indians we can walk in the streets of any capital of this world raising our heads high with pride: we come from a secular country, a democratic country, the tallest democracy because of mutual tolerance and mutual harmony. That is the pride of this country. I totally agree with Mr. Salve that the means should justify the ends not the ends which was the concept of Machiavelli. Here I am very sorry that senior politicians who have dedicated their political life for the welfare of this country, have taken a certain step, because of which tempers are rising high, tension is mounting like anything and there could be bloodshed. The gory battles of the Crusade should not be permitted to happen again, because in the history of mankind much bloodshed has been shed in the name of religion. It is high time. With all sincerity and fairness, with a heavy heart I would like to make an appeal to Mr. Advani and Mr. Vajpayee.

Even today they can take a decision. They can stop that "Rath Yatra". En route, people have greated them with *trishuls*. I read reports of offering of blood. It may be true or it may not be true. Both the sides are sharpening their arsenals and their weapons. This is a very grave situation. Therefore, there should not be any attempt to touch the existing structure. This is the point. The *status quo* should continue. Temples can be constructed anywhere. Here the people who had been living in communal harmony, who had been loving each other, who had been living as neighbours and who had been attending family and religious ceremonies till yesterday, are seen as enemies now. Mutual trust has gone. Now there is mutual hatred and mistrust. Therefore, I would like to make an appeal. There should not be any attempt to distrub the existing structure in the controversial place. I make this appeal. Otherwise, if there is bloodshed in Ayodhya, there will be bloodshed in U.P., in Bihar and in many parts of this country. (*Time Bell rings*) If the voice of the slogan "Hindu, Hindi and Hindustan" grows stronger and stronger, then I warn you that the threat of balkanisation will also grow stronger. We have learnt a lesson from Eastern Europe. In this country you have to respect and tolerate all the faiths. Therefore, I would like to make an appeal to BJP and to Mr. Advani to give up this "Rath Yatra". No attempt should be made to demolish the existing structure. The motion which was sponsored by Mr. Chaturanan Mishra should be adopted in this House.

श्री मौलाना असद मदनी (उत्तर प्रदेश) : डिप्टी चेयरपर्सन महोदया, करनेलगंज में फसाद के एक हफ्ता पहले से हालात खराब थे। दीवारों पर बहुत खतरनाक किस्म के नारे लिखे हुए थे। 30 सितम्बर को फसाद हुआ। सूरत यह हुई कि जुलूस में बहुत भारी भीड़ तकरीबन 40–40 ट्रोलियां भरकर मुसल्ला लोग लाये गये। लल्लू साहब वहां कोई हैं वह लाये। उस समय वहां शोर मचाया गया, हम पर पत्थर फेके गये, दस्ती बम तेजाब, पेट्रोल दुकानों पर छिड़का गया। जब लोग इधर-उधर भागे तो कत्लेआम शुरू हो गया। सिर्फ शहर में ही नहीं बल्कि करनेलगंज में 80 से ज्यादा दुकानें जला दी गयी, मकानात जला दिये गये। एक साथ तकरीबन 30

सितम्बर को 30 गांव में फसाद भड़क उठा। वहां पर कत्लेआम शुरू हो गया। वहां पर 5–5, 7–7, 20–20 आदमियों को एक-एक गांव में मारा गया, जिंदा लड़कों को जला दिया गया, लड़कियों को जला दिया गया, जवान औरतों को, मर्दों को जला दिया गया। दरिया मे लाशें बहा दी गयीं। इसी तरीके से जबर्दस्त तलवानपुरा, शाहजहांपुरा, रामपुरा वगैरह में भी ऐसा ही हुआ। इसी तरह से चचेरी गांव से 6 आदमी आ रहे थे तो उनको रास्ते में कत्ल कर दिया गया। खुद पुलिस थाने के सामने के तालाब में से लाशें निकली।

यह बात अच्छी है कि यू०पी० के चीफ मिनिस्टर साहब ने वहां पर पहुंच कर एक्शन लिया और सुना है कि डी० एम० साहब को और एस०पी० साहब को हटा दिया और वहां पर दूसरे लोगों को लाया गया। थाने के दूसरे अफसरान को भी सस्पेंड किया गया। यह बहुत अच्छी बात है। इसी तरह से वहां के बड़े-बड़े मुजरिमों ने जिन्होंने यह फसाद करके सैकड़ों आदमियों को कत्ल किया, हजारों के घर, जायदाद, दुकानें, मकान जला दिये, उनको लूटा बर्बाद किया उन मुजरिमों को पकड़ा जाए और उनके खिलाफ एक्शन लिया जाए। सख्ती से इस मामले में निपटा जाए। इसी तरहसे सुना है कि बलरामपुर तक भी फसाद बढ़ाने की कोशिश हो रही है।

उन्हें सख्तगिरी के साथ मामले को निपटाना चाहिए। हाउस में लोग कह रहे हैं कि इस मामले पर सोचना चाहिए कि आखिर इस तरह की तहरीक चलाकर सियासी किस्म के मुनाफे हासिल करने के लिए मुल्क में आग लगाना, इस तरह की बर्बादी करना, यह मुल्क की बर्बादी होगी। मुल्क के तमाम वाशिन्दों को यहीं रहना है, उन्हें कहीं नहीं जाना है। सिवाय इसके कि कत्ले आम करके सियासी मुनाफा हासिल करना, इससे मुल्क की बर्बादी होगी। यह मुल्क के साथ गद्दारी है। मुल्क की भलाई इसी में है कि सब इंसानों की तरह भाईचारे के साथ और सही रास्ते पर जिन्दा रहें। अगर मुल्क में इंसाफ नहीं रहेगा, अमन नहीं रहेगा, भाई चारा नहीं रहेगा, पड़ौसी की तरह नहीं रहेंगे तो मुल्क जानवरों का मुल्क हो जाएगा और मुल्क बर्बाद हो जाएगा। अगर आज कुछ की ताकत ज्यादा है जो कल को दूसरों की हो सकती है। फिर वे भी वही तमाशा करेंगे। इस तरह की ख्वाहिश को हमें खत्म करना चाहिए और ऐसे तमाम आर्गेनाइजेशन्स को, चाहे वह आर०एस०एस० हो या कोई और हो, जो मुल्क के अन्दर बर्बादी लाना चाहते हैं, उनको किसी किस्म का काम करने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। मुल्क को भलाई की तरफ बढ़ाना चाहिए। जुल्म और बुराई को नहीं बढ़ाना चाहिए। इन अल्फाज के साथ मैं कहना चाहता हूं कि मुजरिमों को सजा मिलनी चाहिए ताकि आयन्दा से इस चीज को रोका जा सके। इस ओर सब को मिलकर काम करना चाहिए। थोड़ी देर के लिए अमन हो जाता है तो लोग भूल जाते हैं तो फिर फसाद हो जाते हैं। इसलिए इस तरफ संजीदगी के साथ मुसलमल काम करने की जरूरत है। इस तरह के अनासिर जो मुल्क की बर्बादी का खेल अपने मुनाफे के लिए खेलते हैं। उनको मांफ नहीं करना चाहिए।

†[شری مولانا اسعد مدنی (اتر پردیش): ڈپٹی چیرمین مہودیہ - کرنیل گنج میں فساد کے ایک ہفتہ پہلے سے حالات خراب تھے - دیواروں پر بہت خطرناک قسم کے نعرے لکھے ہوئے تھے - ۳۰ ستمبر کو فساد ہوا صورت یہ ہوئی کہ جلوس میں بہت بھاری بھیڑ تقریبا تیس چالیس ٹرالیاں بھر کر مسلم لوگ لائے گئے - للو صاحب وہاں کوئی ہیں وہ لائے - اس سے وہاں شور مچایا گیا - مٹھ پر پتھر پھینکے گئے - دستی بم تیزاب پیٹرول دکانوں پر چھڑکا گیا - جب لوگ ادھر ادھر بھاگے تو قتل عام شروع ہو گیا - صرف شہر میں ہی نہیں بلکہ کرنیل گنج میں ۸۰ سے زیادہ دکانیں جلا دی گئیں - مکانات جلا دیئے گئے - ایک ساتھ تقریبا ۳۰ ستمبر کو ۲۰ گاؤں میں فساد بھڑک اٹھا - وہاں پر قتل عام

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

[شری مولانا اسعد مدنی]

شروع ہو گیا - وہاں پر پانچ پانچ - سات سات - بیس بیس آدمیوں کو ایک ایک گاؤں میں مارا گیا - زندہ لوگوں کو جلا دیا گیا - وہاں پر لڑکیوں کو جلا دیا گیا - جوان عورتوں کو مردوں کو جلا دیا گیا - دریا میں لاشیں بہا دی گئیں - اسی طریقے سے زبردست تلوانپور - شاہجہاں پور - رام پور وغیرہ میں بھی ایسا ہی ہوا - اسی طرح سے چچیڑی گاؤں سے چھ آدمی آ رہے تھے - تو انکو راستہ میں قتل کر دیا گیا - خود پولیس تھانے کے سامنے کے تالاب میں سے لاشیں نکلیں-

یہ بات اچھی ہے کہ یو - پی - کے چیف منسٹر صاحب نے وہاں پر پہونچ کر ایکشن لیا - اور سنا ہے کہ ڈی ایم صاحب اور ایس- پی- صاحب کو ہٹا دیا - اور وہاں پر دوسرے لوگوں کو لایا گیا تھانے کے دوسرے افسران کو بھی سسپینڈ کیا گیا - یہ بہت اچھی بات ہے - اسی طرح سے وہاں کے بڑے بڑے مجرموں نے جنہوں نے فساد کرکے سینکڑوں آدمیوں کو قتل کیا - ہزاروں کے گھر - جائداد - دکانیں مکان جلا دیئے- انکو لوٹا برباد کیا - ان مجرموں کو پکڑا جائے اور انکے خلاف ایکشن لیا جائے - سختی سے اس معاملے میں نپٹا جائے - اسی طرح سے سنا ہے کہ بلرام پور تک بھی فساد بڑھانے کی کوشش ہو رہی ہے- انہیں سخت گیری کے ساتھ معاملے کو نپٹانا چاہئے - ہاؤس میں لوگ کہہ رہے ہیں کہ اس معاملے پر سوچنا چاہئے - کہ آخر اس طرح کی تحریک چلاکر سیاسی قسم کے منافع حاصل کرنے کیلئے ملک میں آگ لگانا اس طرح کی بربادی کرنا - یہ ملک کی بربادی ہوگی - ملک کے تمام باشندوں کو یہیں رہنا ہے - انہیں کہیں نہیں جانا ہے - سوائے اسکے کہ قتل عام کرکے سیاسی منافع حاصل کرنا اس سے ملک کی بربادی ہوگی - یہ ملک کے ساتھ غداری ہے - ملک کی بھلائی اس میں ہے کہ سب انسانوں کی طرح بھائی چارے کے ساتھ اور صحیح راستے پر زندہ رہیں- اگر ملک میں انصاف نہیں رہے گا - امن نہیں رہے گا - بھائی چارہ نہیں رہے گا - پڑوسی کی طرح نہیں رہیں گے - تو ملک جانوروں کا ملک ہو جائے گا اور ملک برباد ہو جائے گا - اگر آج کچھ کی طاقت زیادہ ہے تو جو کل دوسروں کی ہو سکتی ہے - پھر وہ بھی وہی تماشہ کرینگے - اس طرح کی خواہش کو ہمیں ختم کرنا چاہئے اور ایسے تمام آرگنائزیشنس کو چاہے وہ آر - ایس - ایس - ہو یا کوئی اور ہو جو ملک کے اندر بربادی لانا چاہتے ہیں - انکو کسی قسم کا کرنے کی اجازت نہیں دینی چاہئے - ملک کو بھلائی کی طرف بڑھانا چاہئے - ظلم اور برائی کو نہیں بڑھانا چاہئے - ان الفاظ کے ساتھ میں کہنا چاہتا ہوں کہ مجرموں کو سزا ملنی چاہئے- تاکہ آئندہ سے اس چیز کو روکا جا سکے - اس طرف سب کو مل کر کام کرنا چاہئے -تھوڑی دیر کیلئے امن ہو جاتا ہے - تو لوگ بھول جاتے ہیں تو پھر فساد ہو جاتے ہیں - اسلئے اس طرف سنجیدگی کے ساتھ غور کرنے کی ضرورت ہے - اس طرح کے عناصر جو ملک کی بربادی کا کھیل اپنے منافع کیلئے کھیلتے ہیں - انکو معاف نہیں کرنا چاہئے -

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहब, मैं बहुत पहले से हाजिर नहीं था, इसलिए हो सकता है कि कोई इस किस्म की बात हो जिस पर मैं रोशनी नहीं डाल सकूं । हम सब एक ही बात कहते हैं कि फसाद नहीं होने चाहिए, मासूम लोगों का खून नहीं बहना चाहिए। आखिरी बात सब की एक जैसी होती है, लेकिन जेहन हर एक का मुखतलिफ है । मैंने साल्वे साहब की बात बहुत गौर से सुनी । किसी भी हिन्दुस्तानी का खून जब जाया होता है तो हर एक हिन्दुस्तानी का सिर शर्म से झुक जाता है । कोई भी इस बात के खिलाफ नहीं जा सकता है। लेकिन जो दौरे बयान है वह यहां आकर खत्म हुआ कि हिन्दुस्तान की तमाम कसदिगियों का सबब श्री लाल कृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा है। इस मुल्क में कब कब फसाद नहीं हुए। रथ यात्रा तो 25 सितम्बर को शुरू हुई। क्या उससे पहले फसाद का माहौल नहीं था ? इस मुल्क के बच्चे और बच्चियां मंडल कमीशन के आने के बाद मरे नहीं थे, खुद को नहीं मार रहे हैं ? यह कोई इंसानी बच्चों का खून नहीं है ? किसी चीज को ट्विस्ट करना, किसी मकसद को सामने रखकर टिवस्ट करना और उसके बाद हर बात को अपने ही आयने में देखने को कोशिश करना, यह ठीक रास्ता नहीं है। मुझे क्षमा करेंगे, इस हाउस में इस बात का जिक्र आया था कि रेलवे स्टेशन पर भारतीय जनता पार्टी के एक वर्कर का कत्ल हुआ था तो बहस का रूख इस तरह से बदल गया कि जो मरने वाला है उसको छोड़िये, जो हमला करने वाले हैं उनको छोड़िए, तमाम बात का रुख यह बना कि बुनियादी कसूरवार भारतीय जनता पार्टी के ही बच्चे हैं। मैं इस बात के लिए तैयार हूं कि अगर आज के फिरकेवाराना फसाद को रथ यात्रा कर रही है तो मैं उस बातचीत करने लिए तैयार हूं । राम जन्म भूमि बाबरी मस्जिद का इश्यू हिन्दुस्तान में 1949 से चल रहा है। हिन्दुस्तान का कोई हिन्दू, कोई मुसलमान, राम जन्म भूमि बाबरी मस्जिद के इश्यू में इंवोल्व नहीं था । कोई भी इस बात का जिक्र करने के लिए तैयार नहीं है कि राम जन्म भूमि बाबरी मस्जिद का इश्यू पूरे हिन्दुस्तान के हिन्दुओं और मुसलमानों का इशू कब बना और किसने बनाया। वह सबसे बड़ा गुनाहगार है। अगर राम जन्म भूमि और बाबरी मस्जिद का इश्यू हिन्दुस्तान की एकता का नष्ट करने का इश्यू है तो जिस दिन इस इश्यू को पब्लिक इश्यू बनाया गया सियासी प्लेटफार्म से बनाया गया, वह, सबसे बड़ा गुनाह है और उस गुनाहगार को फांसी पर लटकाया जाना चाहिए। कोई भी हो, मैं नहीं जनता कि कौन है । मैं नाम नहीं ले रहा हूं ।... **(व्यवधान)** नाम लेने पर मजबूर न कीजिए, खुदा जाने किस किम की लाशें राज्य सभा में पड़ी हुई नजर आयगी। मैं नाम नहीं लेना चाहता हूं.. **(व्यवधान)** तशरीफ रखिये सिब्ते साहब। मैं यह कहना चाहता हूं कि यह जो इंटेंसिटी है, यह जो आज फिरकापरस्ती के खिलाफ बयान के अन्दर इंटेंसिटी है, वह इंटेंसिटी हमारे मुल्क के उन लोगों में जो अपने आप को तरक्की पसन्द साबित करने की कोशिश कर रहे हैं तो वह इंटेंसिटी उस वक्त कहां सो रही थी जब कि बाबरी मस्जिद और राम जन्म भूमि के मामले को पब्लिक इश्यू बनाया गया ? क्यों नहीं बोले ? किसी को नहीं लगा । यहां रेली हुई। टांगे तोड़ देंगे, आग लगा देंगे। मेरे दोस्त जो आज रथ यात्रा के सिलसिले में बहुत ज्यादा मुत्तासिर नजर आते हैं और समझते हैं कि फिरकावाराना फिजा खराब हो रही है, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या रीएक्शन उनका इस पर था। 26 जनवरी को बायकाट । फाइल पूरी करने के लिए एक आध बात आ गई। हिन्दुस्तान के राष्ट्रीय जश्न के बायकाट का एलान करने की जुर्रत कुछ लोगों की इस मुल्क में होती है और उस पर कोई रीऐक्शन नहीं होता । जो रीऐक्शन आज देख रहे हैं उसके मुकाबले में वह रीऐक्शन नजर नहीं आया। एक दिन बात कही और हो गया। हिन्दुस्तान

[श्री सिकन्दर बख्त]

के अन्दर मुस्लिम इंडिया के नाम से मैगजीन निकाली जा रही है। इस देश को मुस्लिम इंडिया, हिन्दू इंडिया, क्रिश्चियन इंडिया के नाम से बांटा जायेगा। कोई रीऐक्शन नहीं है, कोई इंटेसिटी नहीं है, कोई एम्पेसिस नहीं है। सिर्फ रथ यात्रा याद आती है। मेरे अजीजो, मैं कहना चाहता हूं कि मौलाना आजाद ने 1947 के फौरन बाद हिन्दुस्तान के मुसलमानों से कहा था कि एक राजनैतिक संस्था इस देश में थी जिसने एक देश की गोद में जन्म लेने वाले हिन्दू और मुसलमानों को अलग अलग कौम बताकर देश का विभाजन करवा दिया। अब उस संस्था की हिन्दुस्तान में कोई जरूरत नहीं है। हिन्दुस्तान के मुसलमान अब उस जमात में आ जायें जो राष्ट्रीय जमात है और जो अपने आप को किसी भी एक मजहब या फिरके से न जोड़ती हो। लेकिन हिन्दुस्तान में मुस्लिम लीग दुबारा जिंदा हो गई। हिन्दुस्तान में मुस्लिम लीग की शिरकत में सरकारें चलाई गई। हिन्दुस्तान में मुस्लिम लीग की शिरकत में सियासी खेल आज भी खेला जा रहा है। हिन्दुस्तान के लोगों का कोई दर्द नहीं है और वे मुस्लिम लीग के लोग जो 1947 में मुस्लिम लीग के लोग थे वे पाकिस्तान जाते हैं आज से दस वर्ष पहले और फिर कहते हैं कि मुस्लिम लीग का रास्ता और मुस्लिम लीग का सियासी फलसफा ठीक था और उन लोगों के साथ मिलकर सियासत चला रहे हैं। किसी को कोई शिकायत नहीं है ? किसी का कोई ध्यान नहीं है ? किसी को ख्याल नहीं आता है कि इस मुल्क में मुस्लिम लीग के सियासी फलसफे की कोई गुंजाइश नहीं हो सकती। हम लोग खामोशी के साथ अपने सीने पर उनको लिए बैठे हैं। ...(**व्यवधान**)...

मौलाना अबेदुल्ला खां आजमी (उत्तर प्रदेश) : हिन्दू राष्ट्र का फलसफा यह कोई बात नहीं है ? ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : आप यह कहना चाहते हैं कि इसे हिन्दू राष्ट्र घोषित किया जाय। यह क्या फलसफा दे रहे हैं इस मुल्क को... (**व्यवधान**)...

श्री सिकन्दर बख्त : सुनिए, अहलुवालिया साहब सुनिए ...(**व्यवधान**) मेरी बात सुनिए। मैंने बहुत देर तक सुना है। आपको भी सुनने की हिम्मत होनी चाहिए। मैंने बहुत देर तक सुना है। ...(**व्यवधान**)...

सदर साहिबा, इस हिन्दुस्तान की हजारों साल की पुरानी संस्कृति और सभ्यता की वजह से हिन्दुस्तान की तकसीम के बावजूद, इस देश का विभाजन धर्म के नाम पर, मजहब के नाम पर हुआ...(**व्यवधान**)... अहलुवालिया जी, प्लीज बैठ जाइएं। आप सुनिये।...(**व्यवधान**) जरा खामोश रहिए। आप बहुत गुल मचाते हैं।

सदर साहिबा, मैं अर्ज कर रहा हूं कि यह मुल्क अच्छा मुल्क हो सकता था, पर तारीखी तौर पर मजहब के नाम पर इस मुल्क को तकसीम किया गया और इसलामिक थियोक्रेटिक स्टेट पैदा कर दी गई।

यह सिर्फ इस मुल्क की संस्कृति और सभ्यता का जोर था कि इस मुल्क को सेक्यूलर विधान मिला और इस मुल्क के लोगों की कमजोरी थी कि आज इस मुल्क का यह खूबसूरत बेहतरीन राष्ट्रीय पहलू यह मेरे मुल्क का सब से खूबसूरत फीचर आफ नेशनलिज्म दुनिया के लोगों को मालूम होता है, तसलीम नहीं है। हिंदुस्तान सेक्युलरिज्म का एक आईलैंड है। हमने हिंदुस्तान को थियोक्रेटिक स्टेट बना दिया था। यह इस मुल्क की... (**व्यवधान**)

श्री राजूभाई ए० परमार (गुजरात) : आपने बनाया था सिकन्दर बख्त साहब, हमने नहीं बनाया। ...(**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : यह सिकन्दर बख्त ने बनाया है, हमने नहीं बनाया है। . . . **(व्यवधान)**

उपसभापति : प्लीज़, आर्डर, आर्डर।

श्री सिकन्दर बख्त : मेरा जो कहने का मकसद था, वह यह था कि · **(व्यवधान)**

उपसभापति : आप अपना भाषण कनक्लूड करिए . . . **(व्यवधान)**

श्री सिकन्दर बख्त : मोहतरमा, मुझे कहना यह है कि हम अपने जहन से, हम इस नेशनल फीचर की . . . **(व्यवधान)**

उपसभापति : सिकन्दर बख्त जी आप अपनी बात कह करके बैठ जाइये, खत्म कर दीजिये। · · · **(व्यवधान)**

श्री सिकन्दर बख्त : मेरी बात तो खत्म होने दीजिए, यह गुल मचा रहे हैं। जब इनको अपना चेहरा नजर आता है, तो उसे देख कर यह चौंक पड़ते हैं। मैं यह कह रहा हूं कि हमने इस मुल्क के साथ सुलूक यह किया है कि हमने जो हमारा फीचर है हमारी राष्ट्रीयता का हमने उसको कमजोर पहलू बना दिया है। . . . **(व्यवधान)**

श्री पी० शिव शंकर : सिकन्दर बख्त साहब, मैं गुजारिश करूंगा कि · · · **(व्यवधान)**

श्री सिकन्दर बख्त : इन लोगों को बिठाइये, तो मैं आपकी बात सुनूंगा। · · **(व्यवधान)** मुझे सुनाई नहीं दे रहा है। · **(व्यवधान)**

श्री पी० शिव शंकर : आप इस मुल्क की जम्हूरियत पर एक नाइन्साफी कर रहे हैं, जहां आप यह फरमा रहे हैं कि हमने इसको एक थियोक्रेटिक स्टेट बनाया है।

श्री सिकन्दर बख्त : मैं तो आपकी दाद दे रहा हूं कि जहां पाकिस्तान · · · · · **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : आप हिन्दुस्तान के सारे मुसलमानों के वजूद को नजरअंदाज नहीं कर सकते। · · · **(व्यवधान)**

श्री सिकन्दर बख्त : हिंदुस्तान एक सेक्युलर स्टेट है, मैं यह कहना चाह रहा हूं। · · · **(व्यवधान)**

दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि आपने बदकिस्मती से · · · (व्यवधान) मैं यह अर्ज कर रहा हूं साहब कि आपने बदकिस्मती से यह जो रंग है, यहां के रंग ने यह किया है कि हिंदुस्तान के खूबसूरत तरीन पहलू को हमने दबा दिया है।

आज इंटरनेशनल फोरम में यह डिसकस नहीं होता है कि हिंदुस्तान थियोक्रेटिक समुद्र में एक जजीरा है सेक्युलरिज्म का—इस पर आपको नाज और फख्र करना चाहिए और हमें यह कहां से मिला है, हमें किसने दिया है, उसको याद करना जरूरी है। आप जहन की बात तो बताइये **(व्यवधान)** शिव शंकर जी अब मैं कहने जा रहा हूं कि यहां बात शुरू हुई थी करनैल गंज से—और करनैल गंज को लेकर राम जन्म भूमि पर दौड़ पड़े। करनैल गंज की सच्चाई क्या है? · · · **(व्यवधान)**

सच्चाई यह है कि मूर्ति विसर्जन के लिए एक यात्रा जा रही है, उस पर हमला होना है और उस फिसाद के लिए पकड़े

[श्री सिकन्दर बख्त]

कौन जाते हैं? पकड़े जाते हैं जावर हुसैन साहब जो गौंडा की सिटी जनता दल के प्रेसीडेंट हैं, पकड़े जाते हैं मोहम्मेद . . . **(व्यवधान)** जो जनता दल के कार्यकर्ता हैं और जब राम जन्म भूमि के रथ के ऊपर कोई आ कर वह जो मूर्ति विसर्जन के लिए यात्रा जा रही थी वह राम जन्म भूमि वालों से पूछ कर जा रही थी, आप किस-किस को कहना चाहते हैं और किस-किस ने हिन्दुस्तान का फिरकेवाराना माहौल पैदा किया है? आपकी यार्डस्टिक नामुकम्मल है, नाबराबर है। आप हिन्दुस्तान में फिरकापरस्ती को उभारना चाहते हैं। मैं तो यह कहना चाहता हूं कि जाइये जहां-जहां फिरकापरस्ती जिस-जिस शकल में हो; कंपार्टमेंट तलाश मत कीजिए, जो फिरकापरस्त हो उसको फिरकापरस्त कहिए और जब कहीं फिरकापरस्त हो तो बराबर के एम्फेजिज के साथ कहें, बराबर की इंटेंसिटी के साथ कहिए। ऐसा मालूम होता है इस मुल्क में तरक्की पसंदों ने कसूरवार फिरकापरस्ती कायम करने के लिए सिर्फ हिन्दु को करार दिया है। हम इस बात को नहीं मानते। हमारा कहना यह है कि हिन्दुस्तान से फिरकापरस्ती मिटा देनी चाहिए। हमारा कहना यह है कि हिन्दुस्तान से फिरकापरस्ती मिटाने के लिए आप कंपार्टमेंट पैदा नहीं कर सकते। आपको हर गुनाहगार को बराबर का जिम्मेदार मानना पड़ेगा। आपने ऐसा माहौल बना दिया है कि जैसे इस मुल्क में हिन्दु होना ही कसूर है। आपने ऐसा माहौल बना दिया है कि गोया इस मुल्क में 84 और 80 फीसदी **(व्यवधान)**

श्री पी० शिव शंकर : नहीं-नहीं, हम नहीं कह रहे हैं। आप हिन्दु राष्ट्र कायम करेंगे क्या?

श्री सिकन्दर बख्त : 25 सितम्बर को रथ यात्रा निकली है। **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him finish.

श्री सिकन्दर बख्त : मैं पूछना चाहता हूं, 25 सितम्बर से पहले का माहौल क्या था? यह साहबजादे भी खड़े हो रहे हैं, यह अखबार की शकल देख लें तो हिन्दुस्तान में **(व्यवधान)** जहर उगलते हैं अखबार में, यह जो साहबजादे खड़े हो कर कहते हैं इनका अखबार पढ़ो, 1947 से पहले की भाषा अखबार में लिखी जाती है। **(व्यवधान)** They should stop shouting.

सदर साहिबा, मैं पूछना चाहता हू कि उदयपुर में क्या हुआ? उदयपुर का फसाद किसने किया?

†[شری سکندر بخت (مدھیہ پردیش) : صدر صاحب بہت پہلے سے حاضر نہیں تھا - اسلئے ہو سکتا ہے - کہ کوئی اس قسم کی بات ہو جس پر میں روشنی نہیں ڈال سکوں - ہم سب ایک ھی بات کہتے ھیں کہ فساد نہیں ھونے چاھئے - معصوم لوگوں کا خون نہیں بہنا چاھئے - آخری بات سب کی ایک

†[ ]Transliteration in Arabil Script.

یہ بتا کہ بنیادی قصوروار بھارتیہ جنتا پارٹی کے بچے ہی ہیں- میں اس بات کیلئے تیار ہوں کہ اگر آج کے فرقہ وارانہ فساد کو رتھ یاترا کر رہی ہے - تو میں اس پر بات چیت کرنے کیلئے تیار ہوں - رام جنم بھومی بابری مسجد کا اشو ہندوستان میں ۱۹۴۹ سے چل رہا ہے - ہندوستان کا کوئی ہندو کوئی مسلمان - رام جنم بھومی بابری مسجد کے اشو میں انوالوو نہیں تھا - کوئی بھی اس بات کا ذکر کرنے کیلئے تیار نہیں ہے کہ رام جنم بھومی بابری مسجد کا اشو پورے ہندوستان کے ہندوؤں اور مسلمانوں کا اشو کب بنا اور کسنے بنایا - وہ سب سے بڑا گنہگار ہے - اگر رام جنم بھومی اور بابری مسجد کا اشو ہندوستان کی ایکتا کو نشٹ کرنے کا اشو ہے تو جس دن اس اشو کو پبلک اشو بنایا گیا - سیاسی پلیٹ فارم سے بنایا گیا - وہ سب سے بڑا گناہ ہے اور اس گنہگار کو پھانسی پر لٹکایا جانا چاہئے -کوئی بھی ہو- میں نہیں جانتا کون ہے - میں نام نہیں لے رہا ہوں- . .(مداخلت) نام لینے پر مجبور نہ کیجئے - خدا جانے کس کس کی لاشیں راجیہ سبھا میں پڑی ہوئی نظر آئیں گی - میں نام نہیں لینا چاہتا ہوں . . . (مداخلت) . . . تشریف رکھئے سیٹھی صاحب میں یہ کہنا چاہتا

جیسی ہوتی ہے - لیکن ذہن ہر ایک کا مختلف ہے - میں نے مالویہ صاحب کی بات بڑے غور سے سنی - کسی بھی ہندوستانی کا خون جب ضائع ہوتا ہے - تو ہر ایک ہندوستانی کا سر شرم سے جھک جاتا ہے - کوئی بھی اس بات کے خلاف نہیں جا سکتا ہے - لیکن زور یہاں ہے - وہ یہاں آکر ختم ہوا کہ ہندوستان کی تمام کشیدگیوں کا سبب شری لال کرشن اڈوانی کی رتھ یاترا ہے - اس ملک میں کب کب فساد نہیں ہوئے - رتھ یاترا تو ۲۸ ستمبر کو شروع ہوئی کیا یہ اس سے پہلے فساد کا ماحول نہیں تھا - اس ملک کے بچے اور بچیاں منڈل کمیشن کے آنے کے بعد مرے نہیں تھے - خود کو نہیں مار رہے تھے - یہ کوئی انسانی بچوں کا خون نہیں ہے - کسی چیز کو توسٹ کرنا - کسی مقصد کو سامنے رکھکر توسٹ کرنا اور اسکے بعد ہر بات کو اپنے ہی آئینے میں دیکھنے کی کوشش کرنا - یہ ٹھیک راستہ نہیں ہے - مجھے چھما کریں گے - اس ہاؤس میں اس بات کا ذکر آیا تھا کہ ریلوے اسٹیشن پر بھارتیہ جنتا پارٹی کے ایک ورکر کا قتل ہوا تھا تو بحث کا رخ اس طرح بدلا گیا کہ جو مرنے والا ہے اس کو چھوڑیئے - جو حملہ کرنے والا ہے انکو چھوڑیئے - تمام بات کا رخ

[شری سکندر بخت]

هوں که یه جو اتھینٹک ھے - یه جو آپ فرقه پرستی کے خلاف انیٹلسٹی کے بیان کے اندر جو انیٹلسٹی ھے - همارے ملک کے ان لوگوں کو جو اپنے آپ کو ترقی پسند ثابت کرنے کی کوشش کر رہے ھیں- تو وہ انٹیلسٹی اس وقت کہاں سو رھی تھی- جب که بابری مسجد اور رام جنم بھومی کے معاملے کو پبلک اشو بنایا گیا - کیوں کسی کو نہیں لگا - یہاں ریلی ھوئی - ٹانگیں توڑ دیں گے آگ لگا دیں گے - میرے دوست جو آج رتھ یاترا کے سلسله میں بہت زیادہ متاثر نظر آتے ھیں - اور سمجھتے ھیں - که فرقه وارانه فضا خراب هو رھی ھے - میں ان سے پوچھنا چاهتا هوں که کیا ری ایکشن ان کا اس پر تھا - ۲۶ جنوری کو بائیکاٹ - فائل پوری کرنے کیلئے ایک آدھ بات آ گئی - هندوستان کے راشٹریہ جشن کے بائیکاٹ کا اعلان کرنے کی جوبات کچھ لوگوں نے کی اس ملک میں هوتی ھے - اور اس پر کوئی ری ایکشن نہیں هوتا ھے - جو ری ایکشن آج دیکھ رھے ھیں - اس کے مقابلہ میں وہ ری ایکشن نظر نہیں آیا - ایک دن بات کہی اور هو گیا - هندوستان کے اندر مسلم انڈیا کے نام سے میگزین نکالی جا رھی ھے - اس دیش کو مسلم انڈیا - هندو انڈیا - کرسچن انڈیا کے نام سے بانٹا جائیگا - کوئی ری ایکشن نہیں ھے- کوئی انٹیلسٹی نہیں ھے - کوئی ایمپیسس نہیں ھے -صرف رتھ یاترا یاد آتی ھے - میرے عزیزوں میں کہنا چاهتا هوں که مولانا آزاد نے ۱۹۴۷ کے فوراً بعد هندوستان کے مسلمانوں سے کہا تھا - که ایک راج نیتک سنستھا اس دیش میں تھی جس نے ایک دیش کی گود میں جنم لینے والے هندو اور مسلمانوں کو الگ الگ قوم بناکر دیش کا وبھاجن کروا دیا- اب اس سنستھا کی هندوستان میں کوئی ضرورت نہیں ھے - هندوستان کے مسلمان اب اس جماعت میں آ جائیں جو راشٹریہ جماعت ھے - اور جو اپنے آپ کو کسی بھی ایک مذھب یا فرقه سے نه جوڑتی هو - لیکن هندوستان میں مسلم لیگ دوبارہ زندہ هو گئی - هندوستان میں مسلم لیگ کی شرکت میں سرکاریں چلائی گئیں - هندوستان میں مسلم لیگ کی شرکت میں سیاسی کھیل آج بھی کھیلا جا رہا ھے - هندوستان کے لوگوں کا کوئی درد نہیں ھے - اور وہ مسلم لیگ کے لوگ جو ۱۹۴۷ میں مسلم لیگ کے لوگ تھے وہ پاکستان جاتے ھیں آج سے دس روش پہلے اور پھر کہتے ھیں که مسلم لیگ کا راستہ اور مسلم لیگ کا سیاسی فلسفہ ٹھیک تھا اور ان لوگوں کے ساتھ مل کر

سیاست چلا رہے ہیں - کسی کو کوئی شکایت نہیں ہے - کسی کو خیال نہیں آتا کہ اس ملک میں مسلم لیگ کے سیاسی فلسفے کی کوئی گنجائش نہیں ہو سکتی ہم لوگ خاموشی کے ساتھ اپنے سینے پر انکو لئے بیٹھے ہیں - . . (مداخلات) . .

مولانا عبید اللہ خاں اعظمی : (اتر پردیش) هندو راشٹر کا فلسفہ یہ کوئی بات نہیں ہے - . . . (مداخلت) . .

شری شرسریندر جیت سنگھ آهلوواليه: آپ یہ کہنا چاهتے ہیں کہ اسے هندو راشٹر گھوشت کیا جائے - یہ کیا فلسفہ دے رہے ہیں اس ملک کو . . . (مداخلت) . . .

شري سکندر بخت : سنیئے آهلوواليه صاحب سنیئے . . (مداخلت) . میري بات سنیئے - میں بہت دیر تک سنا ہے - آپکو بھی سننے کی همت هوني چاهئے - [میں نے بہت دیر تک سنا ہے - . . . (مداخلت) . .

صدر صاحبه - اس هندوستان کي هزاروں سال پراني سنسکرتي اور سبھیتہ کي وجہہ سے هندوستان کي تقسیم کے باوجود اس دیش کا وبھاجن دھرم کے نام پر مذهب کے نام پر ہوا . . . (مداخلت) . . . آپ ذرا خاموش رهیئے آپ بہت غل مچاتے ہیں -

صدر صاحبه - میں عرض کر رہا هوں - کہ ملک بہت اچھا ملک هو سکتا تھا - پر تاریخي طور پر مذهب کے نام پر اس ملک کو تقسیم کیا گیا - اور اسلامک تھیوکریٹک اسٹیٹ پیدا کر دي گئي-

یہ صرف اس ملک کي سبھیتا اور سنسکرتي کا زور تھا - کہ اس ملک کو سیکولر ودھان ملا - اور اس ملک کے لوگوں کي کمزوري تھي کہ آج اس ملک کا یہ خوبصورت پہلونی راشٹریہ پہلو یہ میرے ملک کا سب سے خوبصورت فیچر آف نیشنلزم دنیا کے لوگوں کو معلوم هوتا ہے - تسلیم نہیں ہے - هندوستان سیکولرازم کا ایک آدي لینڈ ہے- هم نے هندوستان کو تھیوکریٹک اسٹیٹ بنا دیا تھا - یہ اس ملک کي . . . (مداخلت) . . .

شري رامو بھائي اے - برمار :گجرات آپ نے بنایا تھا سکندر بخت صاحب هم نے نہیں بنایا . . (مداخلت) . .

شري محمد افضل عرف م - افضل: یہ سکندر بخت نے بنایا هے هم نے نہیں بنایا ہے - . . (مداخلت) . . اپ سبھا پتي : پلیز - آرڈر آرڈر

[شری سکندر بخت : میرا جو کہنے کا مقصد تھا - وہ یہ تھا کہ . . . (مداخلت) . . .

یہ فرما لے ہیں - کہ ہم نے اسکو ایک تھیوکریٹک اسٹیٹ بنایا ہے -

شری سکندر بخت : میں تو آپ کی داد دے رہا ہوں - کہ جہاں پاکستان ... (مداخلت) ...

شری محمد افضل عرف م- افضل : آپ ہندوستان کے سارے مسلمانوں کے وجود کو نظر انداز نہیں کر سکتے - ... (مداخلت)

شری سکندر بخت : ہندوستان ایک سیکولر اسٹیٹ ہے - میں یہ کہنا چاہ رہا ہوں- ..(مداخلت)..

دوسری بات میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ آپ نے بد قسمتی سے ... (مداخلت) ... میں یہ عرض کر رہا ہوں صاحب آپ بدقسمتی سے یہ جو رنگ ہے - یہاں کے رنگ نے یہ کیا ہے کہ ہندوستان کے خوبصورت ترین پہلو کو ہم نے دبا دیا ہے -

آج انٹر نیشنل فورم میں یہ قسمس نہیں ہوتا ہے- کہ ہندوستان تھیوکریٹک سمندر میں ایک جزیرہ ہے - سیکولرازم کا - اس پر آپ کو ناز ہونا چاہئے فخر ہونا چاہئے یہ کہاں سے ملا ہے - ہمیں کس نے دیا ہے - اسکو یاد کرنا ضروری ہے - آپ ذہن کی بات تو بتایئے - ... (مداخلت) ...

شیو شنکر جی آپ سے میں کہنے جا رہا ہوں کہ یہاں بات شروع ہوئی تھی - کرنیل گنج سے اور

اپ سبھا پتی : آپ اپنا بھاشن کنکلوڈ کیجئے - ... (مداخلت)...

شری سکندر بخت : محترمہ مجھے کہنا یہ ہے کہ ہم اپنے ذہن سے - ہم اس نیشنل فیچر کی ... (مداخلت) ...

اپ سبھا پتی: سکندر بخت جی- آپ اپنی بات کہہ کر بیٹھ جائیے ختم کر دیجئے- ... (مداخلت)...

شری سکندر بخت : میری بات تو ختم ہونے دیجئے - یہ فل مچا رہے ہیں - جب انکو اپنا چہرہ نظر آتا ہے - تو اس کو دیکھکر چونک پڑتے ہیں - میں یہ کہہ رہا ہوں کہ ہم نے اس ملک کے ساتھ سلوک یہ کیا ہے - کہ ہم نے جو ہمارا فیچر ہے - ہماری راشٹریتا کا ہم نے اسکو کمزور پہلو بنا دیا ہے - ... (مداخلت) ...

شری پی- شیو شنکر: سکندر بخت صاحب میں گزارش کروں گا - کہ ... (مداخلت) ...

شری سکندر بخت : ان لوگوں کو بٹھائیے تو میں آپ کی بات سنوں گا - ... (مداخلت)... مجھے سنائی نہیں دے رہا ہے -

شری پی - شیو شنکر : آپ اس ملک کی جمہوریت کے اوپر ایک نا انصافی کر رہے ہیں - جہاں آپ

قائم کرنے کیلئے صرف ھندو کو قرار دیا ھے - ھم اس بات کو نہیں مانتے- ھمارا کہنا یہ ھے کہ ھندوستان سے فرقہ پرستی مٹنا دینی چاھئے - ھمارا کہنا یہ ھے کہ ھندوستان سے فرقہ پرستی مٹانے کیلئے کمپارٹمنٹ پیدا نہیں کر سکتے - آپ کو ھر گنہگار کو برابر کا ذمہدار ماننا پڑیگا- آپ نے ایسا ماحول بنا دیا ھے کہ جیسا اس ملک میں ھندو ھونا ھی قصور وار ھے - آپ نے ایسا ماحول بنا دیا ھے کہ گویا اس ملک میں ۸۴ اور ۸۰ فیصدی ..(مداخلت)..

شری پی - شیو شنکر : نہیں نہیں ھم نہیں کہہ رھے ھیں - آپ ھندو راشٹر قائم کرینگے کیا -

شری سکندر بخت : ۲۵ ستمبر کو رتھ یاترا نکلی ھے- ..(مداخلت)

شری سکندر بخت : میں پوچھنا چاھتا ھوں - ۲۵ ستمبر سے پہلے کا ماحول کیا تھا - یہ صاحب زادے بھی کھڑے ھو رھے ھیں - یہ اخبار کی شکل دیکھ لیں تو ھندوستان میں ... (مداخلت) ... زھر اگلتے ھیں اخبار میں - یہ جو صاحبزادے کھڑے ھوکر کہتے ھیں انکا اخبار پڑھو - ۱۹۴۷ سے پہلے کی بھاشا اخبار میں لکھی جاتی ھے - .. (مداخلت) ..

صدر صاحبہ میں پوچھنا چاھتا ھوں کہ ادے پور میں کیا ھوا - ادے پور میں فساد کس نے کیا -] کرنیل گنج کو لیکر رام جنم بھومی پر دوڑ پڑے کرنیل گنج کی سچائی کیا ھے - ... (مداخلت) ...

سچائی یہ ھے کہ مورتی وسرجن کیلئے ایک یاترا جا رھی تھی اس پر حملہ ھوتا ھے اور اس فساد کیلئے پکڑے کون جاتے ھیں ..(مداخلت).. پکڑے جاتے ھیں یاور حسین جو گونڈہ کی سنگی جنتا دل کے پریسیڈنٹ ھیں - پکڑے جاتے ھیں - محمد ..... (مداخلت) .... جو جنتا دل کے کاریہ کرتہ ھیں - اور جب رام جنم بھومی کے رتھ کے اوپر کرفیو اگر وہ جو مورتی وسرجن کیلئے یاترا جارھی تھی وہ رام جنم بھومی والوں سے پوچھ کر جا رھی تھی - آپ کس کس کو کہنا چاھتے ھیں اور کس کس نے ھندوستان میں کا فرقہوارانہ ماحول پیدا کیا ھے آپ کی پارٹسپک نا مکمل ھے - نابرابر ھے - آپ ھندوستان میں فرقہ پرستی کو ابھارنا چاھتے ھیں - میں تو یہ کہنا چاھتا ھوں کہ جایئے جہاں جہاں فرقہ پرستی جس جس شکل میں ھو- کمپارٹمنٹ مت تلاش کیجئے - جو فرقہ پرست ھو - اسکو فرقہ پرست کہیئے - اور جب کہیں فرقہ پرستی ھو تو برابر کے ایسفیسز کے ساتھ کہیئے - برابر کے کی انیقیانستی کے ساتھ کہیئے ایسا معلوم ھوتا ھے کہ اس ملک میں ترقی پسندوں نے قصوروار فرقہ پرستی

उपसभापति : आर्डर प्लीज, थैंक यू, शुक्रिया, आप भी बैठ जायें। प्लीज बैठ जाइये। एक मिनट प्लीज बैठ जाइये सिकन्दर बख्त साहब **(व्यवधान)**

When I am on my feet, there is no point of order.

देखिए, मैंने कहा आप बैठिए। . . . **(व्यवधान)** . . .सारंग जी, एक मिनट, एक मिनट प्लीज, सलारिया साहब, प्लीज, सिट डाउन, बैठ जाइये। **(व्यवधान)**

श्री शब्बीर अहमद सलारिया : मैडम, प्वायंट आफ आर्डर . . . **(व्यवधान)**

उपसभापति : आप बैठिए मि० सलारिया Order please. Mr. Salaria, you are a senior Member. सुना है कि आप लायर रहे हैं, जज रहे हैं या एडवोकेट रहे हैं, आप तो थोड़ा नियम में रहिए। आप ऐसे हाथ उठा कर खड़े हो जाते हैं और चिल्लाने लगते हैं। मैं रेकवेस्ट कर रही हूं सुबह 11.00 बजे से कि यह गंभीर मामला है, इस पर गंभीरता से बात करिए और मैं सिकन्दर बख्त जी से भी कहूंगी कि आपने काफी बोल लिया है **(व्यवधान)**

श्री सिकन्दर बख्त : मैं खत्म करता हूं।

उपसभापति : एक मिनट प्लीज। **(व्यवधान)** सईदा खातून, जरा सकून से बैठिए पानी पी लीजिए। **(व्यवधान)** प्लीज सिट डाउन। . . . **(व्यवधान)**

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, on a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: When I am on my feet, there is no point of order. Just now, you sit down. I am saying that now the matter has gone too far. We have discussed it from 11 o'clock till 1 o'clock. Certainly, there is no question of anybody supporting the communal riots. Now, I think, we have gone on. At one o'clock we adjourn the House. It is high time that I adjourned the House. Just a minute.

(व्यवधान) यहां भाषण करने का नहीं था भाई सिकन्दर बख्त जी मुझे माफ करिए। यहां दो जुमले बोलने थे पूरी हिस्ट्री पर भाषण नहीं हो रहा है।

1.00 P.M.

श्री सिकन्दर बख्त : सब कर रहे हैं। सारे के सारे कर रहे हैं।

उपसभापति : गलत कर रहे हैं। . . **(व्यवधान)** . .

Please sit down. Take your seat. Don't behave like this. देखिए सवाल यह है कि रशीद मसूद साहब . . . **(व्यवधान)** . . . आप बैठिए तो सकून से। ध्यान से आप लोग सुनते नहीं हैं। मैं सुबह से ही कह रही हूं कि यहां मसला बहुत सीरियस है। मैंने सबको एलाऊ किया है बोलने के लिए। सुबह से रशीद मसूद साहब जो यू०पी० से आते हैं वह कुछ कहना चाह रहे हैं और मैं चाहती हूं कि उनकी बात जरूर सुने हाऊस, वह सरकार में हैं, इसलिए उनकी बात जरूर सुनें।

श्री सिकन्दर बख्त : मोहतरमा, एक मिनिट में मैं खत्म कर रहा हूं।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have heard so much. Just a minute.

श्री सिकन्दर बख्त: मरा सिर्फ यह अर्ज करना है, मोहतरमा, कि यहां मामला गोंडा का आया है और बहस सिर्फ गोंडा तक महदूद रखनी चाहिए थी। मैंने मजबूर होकर जो अर्ज किया, वह किया है। गोंडा की जो असलियत है, वह उनको मालूम है, गोंडा में क्या हुआ, किसने किया ? . . . **(व्यवधान)** . . .

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I want your ruling on my point of order. My point of order is very simple. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: I cannot hear anything. One second. I cannot understand you as everybody is talking.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I am on a point of order. We swear in the name of the Constitution, and our Constitution says that this is a secular country.

SHRI SIKANDER BAKHT: That is right .(*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Sit down. I say, "You keep quite." He is not asking you.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Can an hon. Member of this House stand up and say that this is a theocratic state? (*Interruptions*).

SHRI SIKANDER BAKHT: When did I say that? Stop it. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me hear him. Mr. Jacob, if I do not hear, I do not understand how I am going to give my ruling. I request you to give me permission to hear him. Please sit down. (*Interruptions*).

I have not allowed you. Sit down. Somebody is on his feet. (*Interruptions*).

One minute, please. Let me answer him. Let me ask him what he wants to say.

श्री सिकन्दर बख्त : आपने गलत समझा ।

उपसभापति : चलिए, उन्होंने गलत कहा ।. . .

Now it is over.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I would request you kindly to see the proceedings.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will look into the record.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: If any reflection has been cast on the secular character of the country, it should be expunged. (*Interruptions*).

श्री सिकन्दर बख्त : मोहतरमा, मैं यहीं सफाई दे दूं । मैंने यह अर्ज किया था कि तारीख ने इसको थियोक्रेटिक स्टेट बनाने की कोशिश की थी, लेकिन हिन्दुस्तान की संस्कृति और सभ्यता की ताकत ने हिंदुस्तान को एक सेकुलर स्टेट बनाया, इस मुल्क को कभी भी थियोक्रेटिक स्टेट बनने नहीं दिया ।. . .

The Bharatiya Janata Party stands for a secular State and it is fighting for a secular state. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order in the House. (*Interruptions*). I am not permitting you. Please sit down. Mr. Narayanasamy, have patience. We are not here discussing Sri Lanka. It is coming. It has been listed in your name. Please have patience. Now please sit down. रशीद मसूद साहब, आप कुछ कहना चाह रहे हैं तो आप बोलिए क्योंकि मुझे हाऊस एडजोर्न करना है ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : (बिहार) : मैडम, आज तो जुमा की नमाज के लिए सदस्यों को जाना है ।

उपसभापति : एक मिनट, जवाब देने दीजिए ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : नहीं, हम मंत्री को नहीं सुनना चाहते, हमें मंत्री का स्टेटमेंट चाहिए, हम इनका इंटरवेंशन नहीं सुनना चाहते ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him say. One minute. Please sit down. (*Interruptions*).

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : नहीं जुमे की नमाज के बाद बोलें ।

उपसभापति : प्लीज, बैठिए, एक मिनट ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ सीम अफजल : मैडम, नमाज का वक्त हो गया है ।

उपसभापति : ठीक है, नमाज का वक्त हो गया है, जिसको नमाज पर जाना है . . . (**व्यवधान**) . . . मैं समझती हूं, मंत्री जी दो मिनट लेंगे ।. . . (**व्यवधान**) . . . आपको नहीं सुनना है सरकार की बात तो दूसरी बात है । मैं एडजोर्न करती हूं ।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्री रशीद मसूद) : पांच मिनट बोलूंगा, मोहतरमा चेयरमेन साहिबा ।. . . (**व्यवधान**) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: After Lunch I am going to take the Punjab Resolution. (*Interruptions*). The Chairman will take *Nirnay* on that. He is the competent authority and I will inform you about it. . . . (**व्यवधान**) . . . मुझे कोई एतराज नहीं है। नहीं सुनना है तो मंत्री जी चले जाएंगे।

SHRI SYED SIBTEY RAZI: Madam, there has been a convention in the House that on *Jummas* this House adjourns at 1 p.m. Don't break the convention. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Again I request the Members to speak one by one. If everybody speaks at the same time, I cannot hear anything.

SHRI SYED SIBTEY RAZI: I tried to make my submission that this House has a convention that at the time of *Namaz* on *Jummas*... (*Interruptions*).

श्री रशीद मसूद : नमाज डेढ़ बजे होगी। मुझे खुद नमाज पढ़नी है। . . . (**व्यवधान**) . . . आप समझते नहीं हैं। मैं जुमा की नमाज में अकसर जाता हूं। यह जो नमाज का कह रहे हैं, मैंने इन्हें कभी जुमा की नमाज में नहीं देखा है। मुझे खुद नमाज पढ़नी है, पांच मिनट से ज्यादा नहीं लूंगा।

SHRI SYED SIBTEY RAZI: Madam, I take it very seriously. (*Interruptions*). I take it very seriously. I have given my personal explanation. (*Interruptions*).

उपसभापति: बैठिए, । सत्या बहिन, आपको भी नमाज पर जाना है क्या ? आप तो बैठ जाइए । . . . (**व्यवधान**) . . .

I adjourn the House and आप बाद में ढाई बजे बोल दीजिए, जो कुछ आपने बोलना है । . . .

The House is adjourned for lunch.

The House then adjourned for lunch at eight minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-one minutes past two of the clock, **The Deputy Chairman** in the Chair.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, I want to raise an issue.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes, I will allow you. Since morning 11 o'clock till 1 o'clock we had taken an issue. Now we have this Statutory Resolution about Punjab. What I would suggest is that after you have made your point, we will take up the Resolution. Only one hour time has been given. Then if anybody wants to say anything on other issues or on special mentions or anything they can raise it.

KUMARI CHANDRIKA PREMJI KENIA (Maharashtra): Madam, I want to speak on Statutory Resolution.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you to speak on Punjab. (*Interruptions*) . . .

SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR (Uttar Pradesh): Madam, since you have permitted Mrs. Natarajan to raise the issue of the Chief Justice, immediately thereafter you can continue with the discussion on Gonda. Madam, what has happened in Gonda, Uttar Pradesh is more important than this Statutory Resolution. After that is over, then, we can sit for one hour and pass this Statutory Resolution. You can allow any Member from either side to speak on this subject.

SHRI N. E. BALARAM: I agree with Mr. Fotedar.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैडम मेरी आपसे एक दरख्वास्त है। मेरा कहना यह है कि . . . (**व्यवधान**) . . .

उपसभापति : आप एक आदमी एक वक्त में बोलिए न । मैं कितनी दफा रिपीट करूं। If two or three Members speak at a time, I cannot answer. After the Resolution...

SHRI N. E. BALARAM (Kerala): It should be after the Resolution.

उपसभापति : आप क्या कह रहे हैं ?

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैडम, मेरा कहना यह है कि गौंडा के अंदर जो फसाद हुआ है, वह ... (**व्यवधान**) ...

श्री चतुरानन मिश्र : मेरे रेज्योलूशन पर आइए न । I have moved a Resolution.

THE DEPUTY CHAIRMAN: There is another Resolution. आप इनकी बात होने दीजिए ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : डेढ़-दो घंटे की बहस में हाऊस किसी नतीजे पर नही पहुंचा है । वगैर नतीजे पर पहुंचे अगर यह बात खत्म हो गई तो इस हाऊस में की गई तकरीरों की क्या हैसियत और क्या मायने हैं ? मेरा कहना यह है कि इस पर हमें कोई कंक्रीट, जैसा कि रेज्योलूशन चतुरानन मिश्र जी ने दिया , या तो इस पर कोई न कोई चर्चा होनी चाहिए या आप स्पष्ट बताइए कि क्या उसके लिए रूल अलाऊ करता है या नहीं करता ? अगर पंजाब का ईश्यू भी आप लेते हैं तो मेरी गुजारिश यह है कि चार बजे तक उस पर गुफ्तगू रखी जाए ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is a motion.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : और मैं समझता हूं कि सारे हाऊस का उस पर विचार होगा कि इस विषय पर बहस हो और हम किसी नतीजे पर पहुंचें और पंजाब का मसला अगर हमें रात के 12 बजे तक भी करना पड़े तो हम उसे हल करें ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have everybody's opinion on the side. आपका रेज्योलूशन के बारे में है ?

श्री चतुरानन मिश्र : हमारा यह कहना है मैडम कि डिबेट तो काफी हो ही गई है इस सवाल पर । यह तो जनरल नेचर का है, अपील है हारमोनी को इस कंट्री में रखने के लिए, इसलिए इस पर बहस की क्या जरूरत है, यह तो यूनेनिमस है । किसी ने भी विरोध नहीं किया है, ज्यादातर लोगों ने सपोर्ट ही किया है ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: No agitation on this. मैंने आपसे कायदे के मुताबिक कहा था । आपने जो लिखकर दिया वह मैंने चेयरमैन साहब की अनुमति लेने के लिए उनके पास भजा है । जैसे ही, जो भी उनका निर्णय आएगा, हम उस पर हाऊस ... (**व्यवधान**) ...

श्री चतुरानन मिश्र : आज ही आएगा या कल आएगा ?

उपसभापति : हमने तो तुरन्त भेज दिया था । मैं यह सोचती हूं कि यहां पर जो बहस सुबह हुई, चतुरानन मिश्र जी का रेज्यूलूशन भी है, जब तक चेयरमैन साहब का कुछ निर्णय आता है, एक ही घंटा सिर्फ पंजाब के लिए दिया है, वह एक घंटा कम्प्लीट हो जाए । उसके बाद गौंडा पर बात करनी है या जिस पर भी हाऊस तैयार हो बोलने को, हम बैठेंगे ।

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Madam, I want to speak on excise.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you on excise, but let me finish Punjab because before adjourning the House I announced that when we assemble after the lunch hour, we are going to take up the Punjab resolution.... (*Interruptions*)... For one minute Jayanthi Natarajan and Sushma Swaraj want to say something. I will allow them to say what they want ... (*Interruption*)... I have identified Jayanthi Natarajan and after that Sushma Swarajji. Then I will identify you ...(*Interruptions*)...